राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linked in
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण शुक्रवार,16 जुलाई-2021 वर्ष-4, अंक - 173 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली-यूपी समेत कई राज्यों में अगले 5 दिनों तक बरसेंगे बादल, राजस्थान में गिर सकती हैं बिजली

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में देरी से ही सही पर बारिश आने के बाद मौसम खुशनुमा हो गया है। मौसम विभाग ने कहा है कि आने वाले 4-5 दिन दिल्ली में हल्कि तो वहीं, हिमाचल, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में भारी से बहुत बारिश देखने को मिल सकती है। मौसम विभाग की मानें तो पंजाब और हरियाणा के अलग-अलग इलाकों में हल्की से तेज बारिश हो सकती है। वहीं राजस्थान के कुछ जिलों में बादल गरजने के साथ बिजली गिरने का अनुमान लगाया गया है। वहीं, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भी भारी बारिश होने का अनुमान लगाया गया है। मध्य महाराष्ट्र और गोवा के लिए बुधवार को रेड अलर्ट जारी किया गया था।

दिल्ली में छह दिनों तक बारिश

मानसून की पहली झमाझम बरसात में बुधवार को दिल्ली के ज्यादातर हिस्से भीग गए। इसके चलते दिल्ली के लोगों को गर्मी और उमस से खासी राहत मिली है। राजधानी के रिज मौसम केंद्र ने दिन के समय 107.4 मिलीमीटर बरसात रिकॉर्ड की, जो दिल्ली में सबसे ज्यादा रही।मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले छह दिनों कर दिल्ली में हल्की बारिश हो सकती है। गुरुवार के कुछ इलाकों में हल्कि बारिश देखने को मिलेगी जबकि, शुक्रवार को बारिश की गतिविधि कम रहेगी। कहीं-कहीं ही हल्की बूंदाबांदी होने की संभावना है। शनिवार को हल्की बारिश के आसार हैं, जबकि रविवार के दिन मध्यम व भारी बारिश की संभावना जताई गई है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के कई इलाकों में आज बारिश होने की संभावना है. मौसम विभाग ने कहा है कि यहां गुरुवार से मौसम बदल सकता है। राज्य के कुछ इलाकों में बादल छाए रहेंगे तो कुछ इलाकों में हल्कि बारिश देखने को मिलेगी। लेकिन हारनपुर, मेरठ, बिजनौर, मुजफ्फरनगर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, पीलीभीत, बलिया, लखीमपुर खीरी समेत कई इलाकों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

काशी में पीएम नरेंद मोदी के भाषण से साफ

यूपी में योगी आदित्यनाथ ही चेहरा, कहा- अभूतपूर्व संकट से बचाया

वाराणसी। पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र काशी को 1,583 करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात दी है। इसके साथ ही उन्होंने बीएचयू ग्राउंड में लोगों को संबोधित करते हुए राज्य के सीएम योगी आदित्यनाथ की जमकर तारीफ की है। बीते दिनों राज्य में नेतृत्व परिवर्तन और बड़े फेरबदल जैसी चर्चाओं को इसके जरिए उन्होंने खारिज किया है। सीएम योगी आदित्यनाथ को कर्मठ और लोकप्रिय नेता बताते हुए उन्होंने कोरोना संकट से निपटने में योगी सरकार के काम की तारीफ की है। पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण में कहा कि यूपी के लिए पहले भी योजनाएं तैयार होती थीं, लेकिन 2017 से पहले लखनऊ से रोड़ा लग जाता था। सीएम योगी आदित्यनाथ की जमकर तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री खुद हर काम को संभालते हैं। वह हर काम पर बारीकी से नजर रखते हैं और काशी से लेकर पूरे प्रदेश में हो रहे कामों की निजी तौर पर निगरानी करते हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि योगी सरकार में माफिया राज और गुंडा राज खत्म हुआ है। पीएम मोदी ने कहा कि आज बहन बेटियों की तरफ नजर उठाने वालों को पता है कि वह कानून से बच नहीं पाएंगे। आज यूपी में सरकार भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद से नहीं बल्कि विकासवाद से चल रही है। इसलिए आज यूपी में जनता की योजनाओं का लाभ सीधे तौर पर जनता को मिल रहा है। पीएम मोदी ने कहा, %यूपी ने जिस तरह से कोरोना की दूसरी लहर को फैलने से रोका है, वह अभूतपूर्व है। पीएम मोदी ने कहा कि यूपी के लोगों ने वह दौर भी देखा है, जब दिमागी बुखार

और इंसेफलाइटिस जैसी बीमारी से यहां कितनी मुश्किलें आती थीं।

पीएम नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश की पूर्व की गैर-भाजपा सरकारों पर भी इशारों में हमला बोला। उन्होंने कहा, यहां इच्छा शक्ति और स्वास्थ्य ढांचे के अभाव में छोटे-छोटे संकट भी विकराल हो जाते थे। यह तो बीते 100 सालों में दुनिया पर आई सबसे बड़ी आफत और महामारी है। इसलिए कोरोना से निपटने में उत्तर प्रदेश के प्रयास उल्लेखनीय हैं। मैं यूपी में कोरोना वॉरियर्स और इस संकट से निपटने वाली पूरी टीम का आभारी हूं। आप लोगों ने जिस तरह से दिन रात जुटकर काशी में व्यवस्थाएं खड़ी कीं, वह बहुत बड़ी सेवा है। मुझे याद है कि आधी रात में भी जब मैं यहां व्यवस्था से जुड़े लोगों को फोन करता था तो वह मोर्चे पर तैनात मिलते थे। कठिन समय था, लेकिन आपने प्रयासों में कोई कमी नहीं छोड़ी।

पीएम बोले, देश में सबसे ज्यादा टेंस्टिंग करने वाला राज्य है उत्तर प्रदेश-पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि आप सभी के ऐसे ही कामों का नतीजा है कि यूपी में आज हालात फिर संभलने लगे हैं। आज यूपी कोरोना की सबसे ज्यादा टेस्टिंग करने वाला राज्य है। आज उत्तर प्रदेश पूरे देश में सबसे ज्यादा वैक्सीन लगाने वाला राज्य है। उन्होंने कहा कि सभी को मुफ्त वैक्सीन के अभियान के माध्यम से कोरोना का खात्मा किया जा रहा है। साफ-सफाई और स्वास्थ्य से जुड़ा जो इन्फ्रास्ट्रक्र यूपी में तैयार हो रहा है, वह भविष्य में भी बीमारियों से लड़ने में मदद करने वाले हैं।

'यूपी में 4 साल में चार गुना हो गए मेडिकल कॉलेज'-यूपी में गांवों से लेकर मेडिकल कॉलेजों तक की स्थापना हो रही है। 4 साल पहले यूपी में दर्जन भर मेडिकल कॉलिज थे और अब उनकी संख्या 4 गुना हो गई है। अभी यूपी में करीब 550 ऑक्सीजन प्लांट्स को बनाने का काम भी तेजी से चल रहा है। जिन बीमारियों के इलाज के लिए कभी दिल्ली और मुंबई जाना पड़ता था, आज वे सभी सुविधाएं काशी में मौजूद हैं। आज महिलाओं और बच्चों की चिकित्सा से जुड़े अस्पताल काशी को मिल रहे हैं।

इलाज के लिए एंटीगुआ व बरबूडा पहुंचा मेहुल चोकसी

डॉमिनिका की अदालत ने सशर्त दी है जमानत

नई दिल्ली। भगोड़ा हीरा व्यापारा मेहुल चोकसी फिर से एंटीगुआ व बरबूडा पहुंच गया। यहां उसे अपने डॉक्टर से मिलकर इलाज कराना है और फिर वापस डॉमिनिका लौटना है। भारतीय बैंकों से हजारों करोड़ रुपये का घोटाला करके भागे व्यापारी मेहुल चोकसी को जमानत मिलने के साथ ही भारत वापस लाने के लिए प्रत्यर्पण की सुनवाई टल गई है।

एंटीगुआ में चोकसी का होगा इलाज- चोकसी ने अपनी अस्वस्थता को लेकर कोर्ट में याचिका दायर की थी और इसके इलाज के लिए एंटीगुआ में अपने फिजिशियन से बात भी किया था। इसके बाद ही डॉमिनिका की अदालत ने सशर्त जमानत दी और कहा कि चोकसी एंटीगुआ में जहां भी रहेगा उसक पूरा पता देगा। इलाज के बाद वापस उसे डॉमिनिका वापस लौटना होगा। बता दें कि चोकसी खुद को एंटीगुआ का नागरिक बताता है और एंटीगुआ के साथ भारत की प्रत्यर्पण को लेकर संधि नहीं है। हालांकि भारतीय एजेंसियों के अनुसार भारत की नागरिकता चोकसी के लिए अब भी है इसे उसने नहीं छोड़ा था इसलिए वह एंटीगुआ का नागरिक नहीं है।

23 मई को अचानक हुआ था लापता

जमानत की राशि जमा करने के बाद चोकसी एंटीगुआ के लिए रवाना हुआ। कोर्ट में दायर याचिका के साथ उसने अपनी मेडिकल रिपोर्ट को भी संलग्न किया था। इसमें उसका सीटी स्कैन भी था। इसका इलाज फिलहाल डॉमिनिका में उपलब्ध नहीं है इसलिए ही चोकसी को एंटीगुआ जाने की इजाजत दी गई। भारत के बैंकों में 13,500 रुपये का घोटाला करने में वांटेड चोकसी 23 मई को अचानक एंटीगुआ से लापता हो गया था।

2018 में भारत से हुआ था फरार-भारत से भागकर चोकसी ने 2018 में यहीं शरण ली थी। स्थानीय मीडिया के अनुसार अवैध प्रवेश के जुर्म में चोकसी को डॉमिनिका में 51 दिनों की हिरासत में रहना पड़ा जिसके लिए उसके वकील ने अपहरण का मामला बताया था। 62 वर्षीय चोकसी को डॉमिनिका की अदालत ने जमानत दे दी है।

डब्ल्यूएचओ का दावा

कोरोना का डेल्टा स्वरूप 104 देशों में फैला, पूरी दुनिया पर हो सकता है हावी

नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि कोरोना का नया स्वरूप डेल्टा दुनिया भर में तेजी से फैल रहा है। इसके चलते उन्होंने दुनिया के तमाम देशों को आगाह करते हुए कहा कि 104 देशों तक पहुंचने वाला डेल्टा वैरिएंट जल्द ही पूरी दुनिया में कोरोना के स्वरूपों में सबसे अधिक हावी हो सकता है। डब्लूएचओ प्रमुख टैड्रॉस एडहेनॉम घेबरेयेसस ने कहा कि पिछला सप्ताह ऐसा चौथा सप्ताह था, जब दुनिया भर के मामले बढ़ने का सिलसिला लगातार जारी रहा। डब्ल्यूएचओ के छह क्षेत्रों में से एक को छोड़कर अन्य सभी में मामले बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि 10 सप्ताह तक संक्रमण के मामलों में कमी आने के बाद इस तरह मामले बढ़ने से चिंता बढ़ गई है। संगठन के महानिदेशक ने कहा कि कोरोना का नया स्वरूप डेल्टा वैरिएंट दुनिया भर में तेजी से फैल रहा है, जिससे संक्रमण के मामले और उससे जान गंवाने वाले लोगों की संख्या बढ़ रही है। खासतौर पर ये वैरिएंट उन लोगों को संक्रमित कर रहा है, जिन्होंने टीका नहीं लिया है। इस वजह से स्वास्थ्य ढांचे पर दबाव बढ़ रहा है। वहीं, जिन

देशों में टीकाकरण की दर बेहद कम है, वहां हालात और भी खराब हैं। उन्होंने इस बात की भी चेतावनी दी कि डेल्टा वैरिएंट अधिक संक्रामक है, इसलिए इससे बचना बेहद जरूरी है। कोरोना वायरस के नए रूप की चपेट में आने से बचने के लिए वैज्ञानिक कह चुके हैं कि सभी को जल्द से जल्द टीका लगवाना होगा। वैज्ञानिकों ने ये भी स्पष्ट किया है कि टीका लगवाने वाले लोगों को भी संक्रमण हो सकता है लेकिन उनकी सेहत को नुकसान होने की संभावना उन लोगों की तुलना में कम है जो बिना टीके के संक्रमित होंगे। अमेरिका में डेल्टा वैरिएंट से संक्रमित होने वालों की दर 70 से 80 फीसदी है। अमेरिका के ब्राउन यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के डीन डॉ. आशीष झा का कहना है कि अमेरिका में कोरोना संक्रमण के अधिक मामले उन क्षेत्रों में कम देखने को मिल रहे हैं जहां टीकाकरण की दर कम है या जहां लोग टीका लगवाने में संकोच कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि अमेरिका के कुछ हिस्सों में टीकाकरण की रफ्तार धीमी है। ऐसे ही क्षेत्रों में संक्रमण के मामले अधिक दिख रहे हैं, खासतौर से लोग डेल्टा वैरिएंट की चपेट में आ रहे हैं।

ऊर्जा मंत्री से बॉम्बे हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

निजी यात्राओं के लिए चार्टेड प्लेन इस्तेमाल करने का आरोप

मुंबई। महाराष्ट्र के ऊर्जा मंत्री नितिन राउत की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। बॉम्बे हाईकोर्ट ने नितिन राउत को 14 दिन के भीतर जवाब देने को निर्देश दिया है। नितिन राउत पर आरोप है कि उन्होंने निजी यात्रा के लिए राज्य की बिजली कंपनियों के 40 लाख रुपये खर्च किए। भाजपा नेता विश्वास पाठक की याचिका पर हाईकोर्ट ने 28 जुलाई तक जवाब मांगा है। भाजपा नेता विश्वास पाठक ने याचिका में आरोप लगाया है कि

- **महाराष्ट्र के ऊर्जा मंत्री नितिन राउत के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट ने कड़ा रूख अख्तियार किया है। कोर्ट ने 28 जुलाई से पहले जवाब देने को कहा है। राउत पर आरोप है कि निजी यात्रा के लिए उन्होंने बिजली कंपनियों से पैसे वसूले हैं।**

प्रशासनिक कार्यों की आड़ में नितिन राउत ने निजी यात्राएं पूरी की है। हालांकि, राउत ने आरोपों से इनकार किया है।

अमेरिका फाइजर, मॉडर्ना वैक्सीन भेजने के लिए तैयार... पर भारत सरकार से नहीं मिली मंजूरी

नई दिल्ली। नए आईटी नियमों का पालन न करने को लेकर भारत सरकार के साथ जारी टकराव के बीच ट्विटर एक नई रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल जुलाई से दिसंबर के बीच सरकार की ओर से अकाउंट्स से जुड़ी जानकारी के लिए ट्विटर को भारत में सबसे ज्यादा अनुरोध मिले। दुनियाभर में किए गए इस तरह के अनुरोधों में भारत की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत है। माइक्रो ब्लॉगिंग साइट ने यह जानकारी दी।

ट्विटर ने अपनी ट्रांसपेरेंसी रिपोर्ट वाले ब्लॉग में कहा कि भारत कॉन्टेंट को हटाने की कानूनी मांगों की संख्या के लिहाज से भी जापान के बाद दूसरे स्थान पर है।

कंपनी इस तरह के अनुरोधों की

- **ट्विटर ने बताया कि सामग्री को हटाने की कानूनी मांगों की संख्या से लिहाज से शीर्ष पांच देशों में क्रमश: जापान, भारत, रूस, तुर्की और दक्षिण कोरिया आते हैं। बता दें कि भारत सरकार से जारी टकराव के बीच ट्विटर को दिल्ली हाई कोर्ट ने नए नियमों का पालन करने के सख्त निर्देश दिए थे।**

जानकारी देने के लिए साल में दो बार रिपोर्ट जारी करती है। ट्विटर ने अपने नए ब्लॉग में कहा कि उसने दुनियाभर की सरकारों के इस तरह के अनुरोधों में से 30 प्रतिशत अनुरोधों के जवाब में कुछ या पूरी सूचना मुहैया कराई।

कंपनी ने कहा कि सरकार की ओर से सूचना के अनुरोधों का भारत सबसे बड़ा स्रोत है और दुनियाभर से मिले अनुरोधों में उसकी हिस्सेदारी 25 प्रतिशत है। इसके बाद अमेरिका का स्थान है जिसकी हिस्सेदारी 22 प्रतिशत है।

ट्विटर ने बताया कि सामग्री को हटाने की कानूनी मांगों की संख्या से लिहाज से शीर्ष पांच देशों में क्रमश- जापान, भारत, रूस, तुर्की और दक्षिण कोरिया आते हैं। बता दें कि भारत सरकार से जारी टकराव के बीच ट्विटर को दिल्ली हाई कोर्ट ने नए नियमों का पालन करने के सख्त निर्देश दिए थे। इसके बाद ट्विटर ने विनय प्रकाश को भारत में अपना शिकायत अधिकारी नियुक्त किया था।

पुलवामा मुठभेड़: सुरक्षाबलों को मिली बड़ी सफलता, लश्कर-ए-तैयबा कमांडर अबू हुरैरा समेत तीन आतंकी ढेर

जम्मू। दक्षिण कश्मीर के पुलवामा में आतंकियों और सुरक्षा बलों के बीच देर रात शुरू हुई मुठभेड़ में अब तक तीन आतंकियों को मार गिराया गया है। आईजीपी कश्मीर ने बताया कि मारे गए आतंकियों में से एक लश्कर-ए-तैयबा का पाकिस्तानी कमांडर एजाज उर्फ अबू हुरैरा है। इसके साथ ही दो स्थानीय आतंकियों को भी मार गिराया गया है। मारे गए आतंकियों के पास से दो एके-47 राइफल और एक पिस्टल बरामद हुआ है। बता दें कि न्यू कॉलोनी, पुलवामा में आतंकियों की मौजूदगी की सूचना पर रात करीब 12~00 बजे सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम ने घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया था। सुबह 4~00 बजे आतंकियों की ओर से पहली गोली चलाई गई। इसके बाद सुरक्षाबलों ने मोर्चा संभाला। आतंकियों ने अंधेरे का फायदा उठाकर भागने की कोशिश की। सतर्क जवानों ने तुरंत जवाबी फायरिंग की। इसके बाद आतंकी एक घर में जा घुसे। सुरक्षाबलों ने कई बार आत्मसमर्पण का मौका दिया। लेकिन लेकिन आतंकवादी अंधाधुंध फायरिंग करते रहे। आठ घंटे के ऑपरेशन में, पाकिस्तानी आतंकी एजाज उर्फ अबू हुरैरा और दो स्थानीय आतंकी मारे गए। पुलिस के अनुसार ये कुख्यात आतंकवादी कई राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल थे।

रेल सेवा शुरू किए जाने की पूर्व संध्या पर बड़ी आतंकी साजिश नाकाम

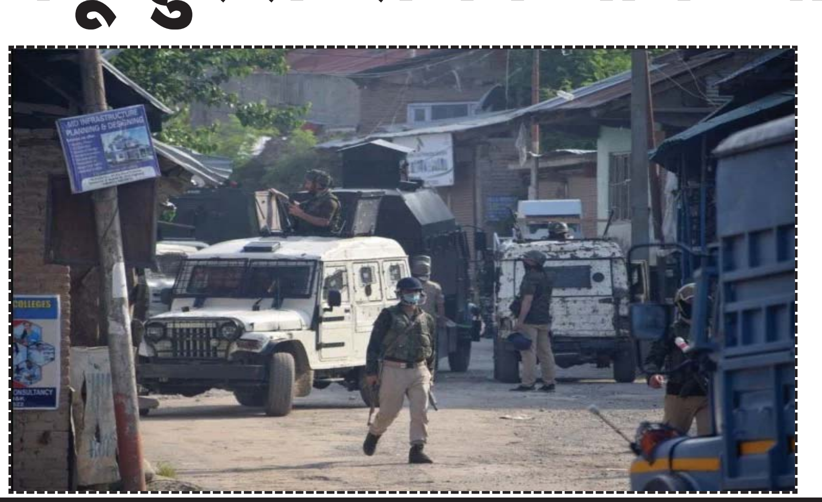

जम्मू-श्रीनगर हाईवे पर दक्षिणी कश्मीर के कुलगाम जिले के काजीगुंड मीरबाजार इलाके में दमजान रेलवे ट्रैक के पास मंगलवार की शाम आतंकियों की ओर से प्लांट आईईडी बरामद की गई। बनिहाल से बारामुला के बीच बुधवार से पूरी तरह रेल सेवा शुरू किए जाने की पूर्व संध्या पर प्लांट आईईडी की बरामदगी से बड़ी आतंकी साजिश नाकाम हो गई है।

पुलिस ने बताया कि शाम को रेलवे ट्रैक के पास आईईडी देखी गई। इस पर तत्काल बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया। दस्ते ने आईईडी को कब्जे में लेकर उसे निष्क्रिय किया। इस दौरान आस-पास के इलाकों में आवागमन रोक दिया गया था। सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान भी चलाया, लेकिन आतंकियों का कोई सुराग हाथ नहीं लगा।

इससे पहले पिछले सप्ताह हुई मुठभेड़ में छह आतंकी ढेर कर दिए गए थे। सुंदरबनी में दो पाकिस्तानी आतंकियों समेत प्रदेश में गुरुवार को सुरक्षाबलों ने छह दहशतगर्द ढेर कर दिए गए थे। एलओसी से सटे राजोरी जिले के सुंदरबनी सेक्टर में सेना ने घुसपैठ को नाकाम करते दो पाकिस्तानी आतंकियों को मार गिराया। मुठभेड़ में नायब सूबेदार समेत दो जवान भी शहीद हो गए, जबकि एक जवान घायल हो गया। सुंदरबनी के अलावा कश्मीर के पुलवामा और कुलगाम में भी दो-दो आतंकी मारे गए।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

तालिबानी बर्बरता

जिस वक्त उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल की एटीएस व एसटीएफ टीमें आतंकी संगठन अल-कायदा के नेटवर्क को यहां खंगालने में जुटी हैं, ठीक उसी समय अफगानिस्तान व पाकिस्तान से आई दो दर्दनाक खबरें बताती हैं कि इस पूरे खित्ते में आतंकवाद की चुनौती फिर कितनी गंभीर हो चली है! अफगानिस्तान में तालिबान ने जहां 20 से ज्यादा निहत्थे अफगान कमांडरों का कत्ल कर दिया, तो वहीं पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा सूबे की एक बस में हुए धमाके में 13 लोगों की मौत हो गई और कई लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। मरने वालों में ज्यादातर चीन के नागरिक हैं, जो वहां दासू डैम परियोजना से जुड़े थे। ये घटनाएं भारतीय सुरक्षा बलों के लिए खतरे की घंटी होनी चाहिए। उन्हें अब कहीं अधिक मुस्तैदी का प्रदर्शन करना होगा, क्योंकि पिछले करीब डेढ़ साल से लॉकडाउन और अन्य पाबंदियों की वजह से दुबके पड़े दहशतगर्द अब खोल से बाहर आने लगे हैं। तालिबान की बर्बर वापसी को लेकर पिछले काफी समय से विशेषज्ञ यह आशंका जता रहे थे कि अमेरिकी व नाटो फौजों की वापसी के बाद काबुल के लिए हालात को संभालना कठिन हो जाएगा। और अब जो समाचार वहां से मिल रहे हैं, वे उन आशंकाओं की तस्दीक करते हैं। अफगानिस्तान के ग्रामीण इलाकों में तालिबान का दबदबा बढ़ता जा रहा है, तो काबुल में बैठी सरकार शहरी इलाकों को बचाने में जुटी है। यह संघर्ष अगर ज्यादा गहराया और अंतरराष्ट्रीय समुदाय मूकदर्शक बना रहा, तो वहां की नागरिक सरकार के लिए तालिबान को रोक पाना कठिन होगा। हालात की गंभीरता का अंदाज इसी बात से लगाया जा सकता है कि कुछ दिनों पहले तालिबान के संघर्ष से डरकर सैकड़ों अफगान सैनिक पड़ोसी देश तजाकिस्तान भाग गए थे और अब तो वहां से नागरिकों का पलायन भी शुरू हो गया है, क्योंकि जिन जिलों पर तालिबान का नियंत्रण हो चुका है, वहां कट्टरपंथी निजाम के कायदे लागू किए जा रहे हैं। निस्संदेह, यह स्थिति हमारी चिंता अधिक बढ़ाने वाली है। तालिबान और अल-कायदा की दुरभिसंधि तोरा-बोरा की पहाड़ियों के भीतर अब दबी-छिपी नहीं है। पाकिस्तानी फौज और आईएसआई से उसके रिश्ते भी जगजाहिर हो चुके हैं। दुर्भाग्यपूर्ण तथ्य यह है कि अपने नागरिकों की जान की कीमत पर भी पाकिस्तान आतंकवाद के खिलाफ जंग में ईमानदारी बरतने को तैयार नहीं। ऐसे में, कश्मीर में घुसपैठ के जरिये एक बार फिर भारत में अस्थिरता फैलाने की कोशिशें हो सकती हैं। इसकी आशंका इसलिए भी गहराती है कि जिस 'अंसार गजवत-उल-हिंद' से जुड़े होने के आरोप में दो लोगों को यूपी एटीएस ने दबोचा है, वह अल-कायदा की ही एक शाखा है और कश्मीर में इसका गहरा नेटवर्क रहा है। बहरहाल, बेलगाम तालिबान सिर्फ भारत के लिए चिंता का मसला नहीं है, चीन के विदेश मंत्री ने जिस तल्ख अंदाज में कल तालिबान को चेतावनी दी है, वह एक संकेत है कि काबुल में उसकी मजबूती बीजिंग के लिए भी सिरदर्दी है। खासकर 'ईस्ट तुर्किस्तान इस्लामिक मूवमेंट' के जो लड़ाके तालिबान की सरपरस्ती में वहां जमा बताए जा रहे हैं, वे चीन के शिंजियांग सूबे से 100 किलोमीटर से भी कम की दूरी पर एकत्र हैं। इसलिए, यह क्षेत्रीय कूटनीति बढ़ाने के साथ-साथ अपनी सुरक्षा चुनौतियों की गहन पड़ताल का समय है।

'आज के ट्वीट

लक्ष्य

कोई भी लक्ष्य इंसान के प्रयासों से बड़ा नहीं है,
हारा तो वो है जो इंसान कभी लड़ा नहीं है !

-- विवेक बिन्द्रा

देश में बढ़ता आतंकवाद का खतरा

– सियाराम पांडेय 'शांत'

उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, पश्चिम बंगाल समेत देश के कई राज्य आतंकवादियों के निशाने पर हैं। लखनऊ से अलकायदा से जुड़े दो आतंकवादियों को पकड़कर भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने एक बार फिर दहशतगर्दों के मंसूबों पर पानी फेर दिया है। एक ही दिन 11 जुलाई को कोलकाता पुलिस के विशेष कार्यबल ने हरदेवपुर इलाके, यूपी पुलिस के आतंकनिरोधी दस्ते ने लखनऊ और नेशनल इंटेलिजेंस एजेंसी ने जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर और अनंतनाग जिले में सात स्थानों पर छापे मारकर न केवल देश को कई बड़ी भयावह आतंकी वारदातों से बचा लिया बल्कि इस बात का संकेत भी दिया कि आतंकी अगर डाल-डाल पर हैं तो सुरक्षा एजेंसियां पात-पात हैं। वे देश में होने वाली किसी भी आतंकी हरकत को लेकर चौकस भी हैं और मुस्तैद भी। एक दिन में 11 से अधिक आतंकियों और स्लीपर सेल के मॉड्यूल्स का पकड़ा जाना इस बात का गवाह है कि देश को बर्बाद करने की कितनी बड़ी साजिश है। इस काम में पाकिस्तान और उसके आतंकी संगठन जितने सक्रिय हैं, उतने ही सक्रिय अपने देश की पीठ में छुरा भोंकने वाले लोग भी हैं। अलकायदा, आईएएस और पाकिस्तान के अन्य आतंकवादी संगठनों ने देश के कई राज्यों के कई बड़े शहरों में अपने स्लीपर सेल विकसित कर लिए हैं। जो पाकिस्तान में बैठे अपने आकाओं के एक इशारे पर भारत में विस्फोटक घटनाओं को अंजाम दे सकते हैं। साल भर में दस-बारह आतंकी संगठनों के माड्यूल का खुलासा यह बताने-जताने के लिए काफिल है कि इस देश की सुरक्षा एजेंसियों को आतंकवादियों को लेकर गाफिल होने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है। लखनऊ, कानपुर, सहारनपुर, बिजनौर, मेरठ,पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अन्य जिलों में जिस तरह स्लीपर सेल के भंडाफोड़ समय-समय पर हो रहे हैं, उसे बहुत हल्के में नहीं लिया जा सकता। लखनऊ में पकड़े गए मिन्हाज और मशीरुद्दीन से पूछताछ में जिस तरह खलासे हो रहे हैं और जिस तरह उनके मददगारों का पता चल रहा है, वह न केवल विस्मयकारी है,वरन रोंगटे भी खड़ा करने वाला है। असलहों की सप्लाई एक हिस्ट्रीशीटर करे और फंडिंग प्रॉपर्टी डीलर तो समझा जाना चाहिए कि उत्तर प्रदेश में देशद्रोहियों की नस्लें किस तरह फल-फूल रही है। एक वर्गविशेष से जुड़ाव की वजह से देश के कुछ राजनीतिक संगठन भी आतंकवादियों के बचाव में बयानबाजी करते नजर आते हैं। उन्हें कार्रवाई के समय पर ऐतराज होने लगता है। आतंकवादी चुनाव होना है, इसलिए हमला नहीं करने का विचार करेंगे क्या? हाल ही में कानपुर के एक उदारवादी मुस्लिम धार्मिक नेता ने कहा है कि कानपुर शहर में जगह-जगह मुस्लिम बहुल इलाके में चंदे के डिब्बे रखे गए हैं। इस चंदे की रकम को ईरान और पाकिस्तान भेजा जाता है। यह रकम आतंकी स्लीपर सेल की मदद के काम आती है। इस तरह चंदों की कसरत प्रदेश और देश के अन्य शहरों में भी हो रही होगी, पुलिस प्रशासन को इस ओर भी ध्यान होगा। प्रवर्तन निदेशालय को भी इस बावत अपनी नजरें खुली रखनी होगी। अपने ही धन से अपनी ही बर्बादी का तमाशा देखने का चमत्कार भारत में ही संभव है और जब कार्रवाई होती है तो अक्सर यही कहा जाता है कि सरकार बदले की भावना के तहत काम कर रही है। जम्मू-कश्मीर में सेना एक तरह से आतंकवाद का सफाया कर चुकी है। आतंकियों की घुसपैठ रुकी हुई है, इसके बाद भी आए दिन आतंकी सेना और पुलिस के जवानों पर हमले करते रहते हैं। ये आतंकवादी पाकिस्तान से आते और कश्मीर में छिपते रहे हैं और जब भी उन पर कार्रवाई की नौबत आई तो स्थानीय लोग भी सेना और पुलिस पर पत्थरबाजी करते रहे हैं। यह स्थिति बहुत मुफीद नहीं है और अब तो आतंकवादियों ने बंकरों और गुफाओं तक में अपनी शरणगाह बना ली है। यह सब स्थानीय नागरिकों के सहयोग के बिना कैसे हो सकता है? पाकिस्तानी घुसपैठियों की सुरक्षित वापसी कठिन जानकर पाकिस्तान ने पिछले दिनों ड्रोन हमले की कोशिश की थी लेकिन ड्रोन को लेकर भारत जिस तरह सतर्क हुआ है,उससे भी पाकिस्तान की चिंता का ग्राफ बढ़ा है। भारत को परेशान करने के बहुविध प्रयास वह करता ही रहता है। इसके लिए वह केवल कश्मीरी युवकों कोही गुमराह कर रहा हो, ऐसा भी नहीं है, वह देश के अनेक राज्यों में बेरोजगार युवकों को आतंकवादी संगठन से जोड़ रहा है और उनके मन में भारत के खिलाफ जहर घोल रहा है। भारत को दहलाने की साजिश तो आतंकी आजादी के बाद से ही कर रहे हैं। कई बार वे अपने मंसूबों में सफल हुए हैं लेकिन अधिकांश मोर्चों पर उन्होंने भारतीय सुरक्षा बलों की सजगता की वजह से मुंह की भी खानी पड़ी है लेकिन इन दिनों जिस तरह आतंकवादी सक्रिय हुए हैं और देश के कई बड़े शहरों में उन्होंने अपने स्लीपर सेल विकसित कर लिए हैं, यह स्थिति बहुत ही चिंताजनक है। जिन किन्हीं शहरों में सेना मुख्यालय हैं, वहां टायर पंक्चर बनाने वाले मैकेनिकों की उपस्थिति चौंकाती भी है और सोचने को बाध्य भी करती है। चाय और पान मसाला की दुकानें भी एक खास वर्ग के लोगों की ही होती है। सैनिकों से जान-पहचान के बहाने वे सेना मुख्यालय में अक्सर आते-जाते भी रहते हैं। ऐसे लोगों पर आतंकियों की सीधी नजर रहती है। चंद पैसों का लालच देकर वे उन्हें अपने पक्ष में कर लेते हैं और अपना उल्लू साधते रहते हैं। इंदौर पुलिस की सरकारी वेबसाइट हैक कर लेना और पुलिस अधिकारियों के नाम के आगे फ्री कश्मीर और पाकिस्तान जिंदाबाद लिखा जाना यह बताता है कि दहशतगर्दों के हौसले कितने बुलंद हैं। इंदौर के एक इलाके को वैसे भी मिनी पाकिस्तान कहा जाता है। कोई साल नहीं जाता जब इस क्षेत्र में सांप्रदायिक दंगे न होते हों। सिमी, अलकायकदा और जमात उल मुजाहिदीन से जुड़े यहां कई युवक हैं जो देश की कानून व्यवस्था के लिए घातक बने हुए हैं। ऐसे युवकों पर नजर रखने की जरूरत है। लखनऊ में पकड़े भी आतंकी पकड़े और मारे जा चुके हैं। उत्तर प्रदेश अदालतों तक में आतंकी हमले हो चुके हैं, ऐसे में आतंकवादियों पर विशेष नजर रखने की जरूरत है और अब तो यह भी बताया जा रहा है कि लखनऊ में पकड़े गए मिन्हाज और मशीरुद्दीन की नजर अयोध्या स्थित रामजन्मभूमि को निशाना बनाने की थी। यह अच्छी बात है कि जब भी इस तरह की कोई घटना होती है, देश और प्रदेश में सतर्कता बढ़ जाती है। अलर्ट घोषित हो जाता है लेकिन सजगता और सतर्कता की निरंतरता बनी रहनी चाहिए। आतंकवादियों की गतिविधियों पर निरंतर नजर रखाकर ही हम इस देश को सुरक्षित रह सकते हैं और लोगों के जान-माल की रक्षा कर सकते हैं। इसके लिए पुलिस प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों को तो हर क्षण सतर्क रहना ही चाहिए,आमजन को भी सतर्क रहना चाहिए। हमें अपने पास-पड़ोस की गतिविधियों पर नजर रखनी चाहिए और ज्यों ही कोई चीज संदिग्ध नजर आए,उससे पुलिस को अवगत कराना चाहिए। आतंकवादी कूकर बम, अटैची बम, घड़ी बम जैसे प्रयोग कर सकते हैं, इसलिए जरूरी है कि ऐसी वस्तु जो संदिग्ध नजर आए, उसे उठाने की बजाए पुलिस को बताना चाहिए। पुलिस और उसके सूचना तंत्र की मजबूती से ही आतंकवादी गतिविधियों को नियंत्रित किया जा सकता। इसलिए जरूरी है कि पुलिस को अपना तलाशी अभियान तेज करना चाहिए। उन धार्मिक संस्थाओं और शिक्षण संस्थाओं पर भी नजर रखनी चाहिए जो दुष्प्रचार और नफरत के शोशे उछालकर इस देश की शांति-व्यवस्था में खलल डालती हैं या डालने की कोशिश करती हैं। राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाना चाहिए। आतंकी हलचल जिस तरह कश्मीर की वादियों से निकलकर देश के अन्य प्रदेशों के संवेदनशील शहरों में बढ़ रही है, यह अपने आप में बड़ा खतरा है। आतंकियों के एकाध खुलासों से ही बात नहीं बनने वाली है। पुलिस प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों को आतंक के सभी नेटवर्क ध्वस्त करने की दिशा में काम करना होगा। आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब देना का यही एक तरीका भी है। जरा सी भी असावधानी देश को बड़ी मुसीबत में डाल सकती है। इसलिए भी आतंकवादियों और उनके प्रभाव में आकर गुमराह हो रहे युवा वर्ग की पल-पल की जानकारी लेते रहने की जरूरत है। आतंकवादियों को विश्वास की आंखों से नहीं देखा जा सकता लेकिन जरा सी सावधानी बरत कर नीर-क्षीर विवेक तो किया ही जा सकता है। देश में आंतरिक असुरक्षा के हालात न बनें, इस पर ध्यान देना हर भारतवासी की जिम्मेदारी है।

– लेखक हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।

ज्ञान गंगा

खुशी

जग्गी वासुदेव, धर्म, धार्मिक लेख

प्रसन्न या अप्रसन्न रहना मूल रूप से आप का ही चुनाव है। लोग इसलिए दुःखी रहते हैं क्योंकि उन्हें ऐसा लगता है कि दुःखी रहने से उन्हें कुछ मिलेगा। यह पढ़ाया जा रहा है कि अगर आप पीड़ा भोग रहे हैं तो आप स्वर्ग में जाएंगे। पर, यदि आप दुःखी इंसान हैं तो आप स्वर्ग में जा कर भी क्या करेंगे? नर्क आप के लिए ज्यादा घर जैसा होगा! जब आप दुःखी ही हैं, तो आप को कुछ भी मिले, क्या फर्क पड़ेगा? यह कोई दार्शनिक बात नहीं है, आप का सच्चा स्वभाव है। स्वाभाविक रूप से तो आप प्रसन्न रहना चाहेंगे। मैं आप को कोई उपदेश नहीं दे रहा हूं, 'खुश रहो, तुम्हें खुश रहना चाहिए'। हर प्राणी आनंदित रहना चाहता है। आप जो कुछ भी कर रहे हैं, हर वो काम जो आप कर रहे हैं, वह किसी न किसी रूप में खुशी पाने के लिए ही कर रहे हैं। इस धरती पर हर मनुष्य जो कुछ भी कर रहा है, वो क्या कर रहा है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। चाहे वो अपना जीवन भी किसी को दे रहा हो, वो इसीलिए ऐसा करता है क्योंकि इससे उसे प्रसन्नता मिलती है। उदाहरण के लिए, आप लोगों की सेवा करना क्यों चाहते हैं? बस, इसलिए कि सेवा करने से आप को खुशी मिलती है! कोई अच्छे कपड़े पहनना चाहता है, कोई बहुत सारा धन कमाना चाहता है क्योंकि इससे उनको खुशी मिलती है। इस धरती पर हर मनुष्य जो कुछ भी कर रहा है, वो क्या कर रहा है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। चाहे वो अपना जीवन भी किसी को दे रहा हो, वो इसीलिए ऐसा करता है क्योंकि इससे उसे प्रसन्नता मिलती है। खुशी जीवन का मूल लक्ष्य है। आप स्वर्ग जाना क्यों चाहते हैं? सिर्फ इसलिए कि किसी ने आपको बताया है कि अगर आप स्वर्ग जाएंगे तो खुश रहेंगे। आप जो कुछ भी कर रहे हैं, उस सब को कर लेने के बाद भी अगर आप को खुशी नहीं मिलती है, तो इसका अर्थ यही है कि जीवन की किन्हीं मूल बातों को आप चूक गए हैं। आप जब बच्चे थे तो आप ऐसे ही खुश रहते थे। फिर, आगे के रास्ते में, कहीं ये आप से खो गया। आप ने इसे क्यों खोया? आप ने अपने आसपास की बहुत सारी वस्तुओं से अपनी पहचान बना ली-आपका शरीर, आपका मन। आप जिसे अपना मन कहते हैं, वो कुछ और नहीं है, बस वे सारी सामाजिक बातें हैं, जो आपने अपने आसपास की सामाजिक परिस्थितियों में से ले ली हैं।

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन आर्थिक व व्यावसायिक समस्या रहेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ के तनाव रहेंगे।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक संकट दूर होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

तुला गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। धन हानि की संभावना है। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर बेरोजगार व्यक्तियोंको रोजगार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आपके प्रभाव में वृद्धि होगी। जारी प्रयास सार्थक होंगे।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मांगलिक कार्यों में हिस्सेदारी रहेगी। व्यर्थ के तनाव भी मिलेंगे।

दूरगामी लक्ष्यों को लेकर बने सहमति

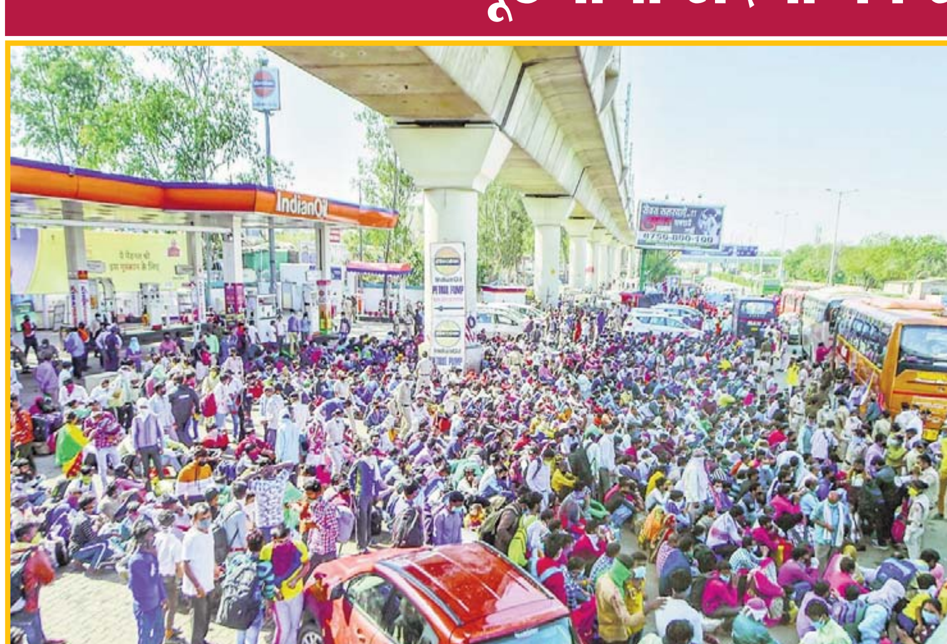

अवधेश कुमार

उत्तर प्रदेश की नयी जनसंख्या नीति पर कई हलकों से आ रही नकारात्मक प्रतिक्रियाएं अनपेक्षित नहीं है। भारत में जनसंख्या नियंत्रण और इससे संबंधित नीति पर जब भी बहस होती है, तस्वीर ऐसी ही उभरती है। हालांकि सलमान खुर्शीद जैसे वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री का बयान दुर्भाग्यपूर्ण कहा जाएगा। वे कह रहे हैं कि पहले नेता, मंत्री और विधायक बताएं कि उनके कितने बच्चे हैं और उनमें कितने अवैध हैं। सपा सांसद सफीकुर्रहमान बर्क यदि कह रहे हैं कि कोई कानून बना लीजिए, बच्चे पैदा होने हैं, वे होंगे, अल्लाह ने जितनी रूहें पैदा की हैं, वे सब धरती पर आएंगी तो किसी को हैरत नहीं होगी। लंबे समय से देश का बड़ा तबका आबादी को नियंत्रण में रखने के लिए किसी न किसी तरह की नीति लागू करने की आवाज उठाता रहा है। पिछले वर्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को लालकिले से दिए जाने वाले भाषण के लिए आम लोगों से सुझाव मांगे तो उसमें सबसे ज्यादा संख्या में जनसंख्या नियंत्रण कानून का सुझाव आया था। प्रश्न है कि जनसंख्या नियंत्रण नीति में ऐसा क्या है, जिसके विरुद्ध तीखी प्रतिक्रिया होनी चाहिए? उत्तर प्रदेश विधि आयोग ने जब जनसंख्या नियंत्रण नीति का दस्तावेज जारी किया था तभी दोष निकालने वालों ने एक-एक शब्द छान मारा। उसमें किसी तरह के मजहब का कोई जिक्र नहीं था और योगी आदित्यनाथ द्वारा जारी नीति वही है। इसमें दो से ज्यादा बच्चा पैदा करने पर सरकारी नौकरियों में आवेदन करने का निषेध या सरकारी सुविधाओं से वंचित करने या फिर राशन कार्ड में चार से अधिक नाम नहीं होने का बिंदु सभी मजहबों पर समान रूप से लागू होगा। आबादी मान्य सीमा से न बढ़े, उम्र, लिंग और मजहब के स्तर पर संतुलन कायम रहे, यह जिम्मेवारी भारत के हर नागरिक की है। विरोध का तार्किक आधार हो तो विचार किया जा सकता है लेकिन इसे मुसलमानों को लक्षित नीति कहना निराधार है। नीति में वर्ष 2026 तक जन्म दर को प्रति हजार आबादी पर 2.1 तथा वर्ष 2030 तक 1.9 लाने का लक्ष्य रखा गया है। क्या यह एक मजहब से पूरा हो जाएगा? जनसंख्या नियंत्रण के लिए हतोत्साहन और प्रोत्साहन दोनों प्रकार की नीतियां या कानून की मांग की जाती रही है। इसमें दो से अधिक बच्चे वालों को कई सुविधाओं और लाभों से वंचित किया गया है तो उसकी सीमा में रहने वाले, दो से कम बच्चे पैदा करने वाले या दो बच्चों के साथ नसबंदी कराने वालों के लिए कई प्रकार के लाभ और सुविधाओं की बातें हैं। इसमें बच्चों और किशोरों के सुंदर स्वास्थ्य, उनके शिक्षा के लिए भी कदम हैं। मसलन 11 से 19 वर्ष के किशोरों के पोषण, शिक्षा व स्वास्थ्य के बेहतर प्रबंधन के अलावा, बुजुर्गों की देखभाल के लिए व्यापक व्यवस्था भी की जाएगी। नयी नीति में आबादी स्थिरीकरण के लिए स्कूलों में हेल्थ क्लब बनाये जाने का प्रस्ताव भी है। साथ ही डिजिटल हेल्थ मिशन की भावनाओं के अनुरूप प्रदेश में अब नवजातों, किशोरों व बुजुर्गों की डिजिटल ट्रैकिंग कराने की योजना है। जनसंख्या नियंत्रण केवल कानून का नहीं, सामाजिक जागरूकता का भी विषय है और इस पहलू पर फोकस किया गया है। मुख्यमंत्री ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि सामाजिक जागरूकता के लगातार अभियान चलाए जाएंगे और इसकी शुरुआत भी कर दी। उत्तर प्रदेश की जनसंख्या वृद्धि दर राष्ट्रीय औसत से लगातार ज्यादा रही है। वर्ष 2001-2011 के दौरान प्रदेश की जनसंख्या वृद्धि दर 20.23 फीसदी रही, जो राष्ट्रीय औसत वृद्धि दर 17.7 फीसदी से अधिक है। इसे अगर राष्ट्रीय औसत के आसपास लाना है तो किसी न किसी प्रकार के कानून की आवश्यकता है। हालांकि वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय प्रवृत्ति जनसंख्या बढ़ाने की है। एक बच्चा कानून कठोरता से लागू करने वाले चीन को तीन बच्चे पैदा करने की छूट देनी पड़ी है क्योंकि इस कारण वहां आबादी में युवाओं की संख्या घटी है जबकि बुजुर्गों की बढ़ रही है। अनेक विकसित देश इसी असंतुलन के भयानक शिकार हो गए हैं। दूसरी ओर बुजुर्गों की बढ़ती आबादी का मतलब देश पर बोझ बढ़ना है।

इसलिए अनेक देश ज्यादा बच्चा पैदा करने के लिए प्रोत्साहनों की घोषणा कर रहे हैं। भारत में भी इस पहलू का विचार अवश्य किया जाना चाहिए। हम अगर भविष्य की आर्थिक महाशक्ति माने जा रहे हैं तो इसका एक बड़ा कारण हमारे यहां युवाओं की अत्यधिक संख्या यानी काम के हाथ ज्यादा होना है। जनसंख्या नियंत्रण की सख्ती से इस पर असर पड़ेगा और भारत की विकास छलांग पर ग्रहण लग सकता है। किंतु यह भी सही है कि तत्काल कुछ समय के लिए जनसंख्या वृद्धि कम करने का लक्ष्य पाया जाए और उसके बाद भविष्य में ढील दी जाए। हालांकि, आबादी में उम्र संतुलन के प्रति लगातार सतर्क रहना होगा ताकि युवाओं की आबादी में विश्व के नंबर एक का स्थान हमसे न छिन जाए।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तीन अगस्त से अस्थायी फ्लीट्स फीचर को बंद करेगा ट्विटर

नई दिल्ली। ट्विटर ने 3 अगस्त से अपने फ्लीट्स फीचर को लेकर उसकी खराब प्रतिक्रिया देखने के बाद उसको बंद करने की घोषणा की है। माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ने सिर्फ आठ महीने पहले इस फीचर को लॉन्च किया था। फ्लीट्स ऐसे ट्वीट्स गायब कर रहा हैं जो स्मार्टफोन पर टॉप यूजर्स के ट्विटर हैंडल के शीर्ष पर एक पंक्ति में होते हैं। ये क्षणिक ट्वीट 24 घंटे के बाद एक्सपायर हो जाते हैं। ट्विटर के प्रोड्क्टस के उपाध्यक्ष इल्या ब्राउन ने बुधवार देर रात एक बयान में कहा, जब से हमने सभी के लिए फ्लीट पेश किया है, हमने फ्लीट्स के साथ बातचीत में शामिल होने वाले नए लोगों की संख्या में वृद्धि नहीं देखी है, जैसा हमें उम्मीद थी।ब्राउन ने कहा, हमें उम्मीद थी कि फ्लीट्स अधिक लोगों को ट्विटर पर बातचीत में शामिल होने में सहज महसूस करने में मदद करेंगे। 3 अगस्त से, ट्विटर उपयोगकर्ता केवल सक्रिय स्थान देखेंगे जो उनकी समयसीमा के शीर्ष पर लाइव ऑडियो चैट रूम है। ट्विटर ने अपने प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया, हम 3 अगस्त को फ्लीट्स को हटा रहे हैं, कुछ नई चीजों पर काम कर रहे हैं। हमें खेद है, और आपका स्वागत है। फेसबुक और स्नैपचैट को टक्कर देने के लिए, ट्विटर ने पिछले महीने स्टोरीज जैसे वर्टिकल फॉर्मेट, फुल-स्क्रीन विज्ञापनों को अपने फ्लीट्स फीचर में लाया था। ट्विटर ने लोगों को बातचीत में शामिल होने और क्षणिक विचारों को साझा करने का एक नया, क्षणिक तरीका देने के लिए पिछले साल नवंबर में वैश्विक स्तर पर फ्लीट्स लॉन्च किया था। लोग टेक्स्ट, ट्वीट्स, फोटो या वीडियो पर प्रतिक्रिया देंगे और विभिन्न पृष्ठभूमि, स्टिकर और टेक्स्ट विकल्पों के साथ अपने बेड़े को अनुकूलित करेंगे। ट्विटर के सीईओ जैक डोर्सी के अनुसार, कंपनी ने फ्लीट्स की शुरूआत ट्विटर के भीतर भंडारण उत्पाद बनाने के लिए नहीं की थी, बल्कि लोगों की समस्या को हल करने के लिए की थी। उन्होंने कहा, हमने निश्चित रूप से एक अलग दर्शक वर्ग देखा है जो हम आम तौर पर देखते हैं, लेकिन हमें अभी भी बहुत कुछ सीखना है.

यूनिसॉक ने भारत में प्रीमियम स्मार्टफोन के लिए चिपसेट लॉन्च किया

नई दिल्ली। चीनी चिपसेट निर्माता यूनिसॉक ने बुधवार को भारतीय उपयोगकर्ताओं को बेहतर प्रदर्शन और तेज मोबाइल एप्लिकेशन प्रोसेसिंग अनुभव देने के लिए एक नई पीढ़ी के प्रोसेसर-टी610 को लॉन्च किया। टी610 एक प्रोसेसर है, जिसे स्मार्टफोन और टैबलेट में उपयोग करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह 12एनएम प्रक्रिया को अपनाता है जिसमें दो 1.8 गीगाहट्र्ज आर्म कॉर्टेक्स-ए75 सीपीयू और छह 1.8 गीगाहट्र्ज आर्म कॉर्टेक्स-ए55 सीपीयू हैं, जबकि जीपीयू 614.4 मेगाहट्र्ज माली जी52 का उपयोग करता है। यूनिसॉक के ईवीपी एरिक झोउ ने एक बयान में कहा, भारत में अपने उपयोगकर्ताओं के लिए टी610 चिपसेट पेश करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है। झोउ ने कहा, हमारा टी610 चिपसेट स्मार्टफोन यूजर्स को प्रीमियम फीचर्स प्रदान करता है, जिसमें मनमाफिक प्रदर्शन, बेहतर पावर दक्षता, सहज गेमप्ले और पिक्च र-परफेक्ट फोटोग्राफी शामिल है।

शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स-निफ्टी रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद

मुंबई।

मुम्बई शेयर बाजार में गुरुवार को भारी उछाल आया और सेंसेक्स-निफ्टी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गये। दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही लिवाली (खरीददारी) से बाजार में यह उछाल आया है। मिडकैप, स्मालकैप इंडेक्स भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर रहे। निफ्टी आईटी इंडेक्स भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर रहा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सूचकांक सेंसेक्स 254.80 अंक करीब 0.48 फीसदी की बढ़त के साथ ही 53,158.85 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 70.25 अंक तकरीबन 0.44 फीसदी की बढ़त के साथ ही 15,924.20 के स्तर पर बंद हुआ।

बड़ी कंपनियों के शेयरों की बात करें तो एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, विप्रो, हिंडाल्को और एल एंड टी के शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। वहीं ओएनजीसी, इचर मोटर्स, भारती एयरटेल, ग्रासिम और कोल इंडिया के शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए जबकि सेक्टोरियल इंडेक्स की बात करें तो फार्मा, मीडिया, ऑटो और पीएसयू बैंक शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। वहीं आईटी, मेटल, एफएमसीजी, रियल्टी, फाइनेंस सर्विसेज, बैंक और प्राइवेट बैंक लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए।इससे पहले बुधवार को भी बाजार बढ़त पर बंद हुआ था। वहीं इससे पहले सुबह वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच एलएंडटी, एचडीएफसी बैंक और एचसीएल टेक जैसे बड़े शेयरों में बढ़त के चलते सेंसेक्स 100 अंक से अधिक चढ़ गया। वहीं निफ्टी 31.30 अंक बढ़कर 15,885.25 पर पहुंच गया। सेंसेक्स में सबसे अधिक तीन फीसदी की तेजी एलएंडटी में रही। इसके अलावा एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, डॉ रेड्डीज और अल्ट्राटेक सीमेंट भी बढ़ने वाले प्रमुख शेयरों में शामिल थे। दूसरी ओर एमएंडएम, एशियन पेंट्स, मारुति, आईटीसी, टाइटन और इंफोसिस लाल निशान में थे

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया बढ़त के साथ बंद हुआ। विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपये का आरंभिक लाभ कुछ कम हो गया और अंत में इसकी विनिमय दर पांच पैसे की तेजी दिखाते हुए 74.54 पर बंद हुई। वहीं अन्तर बैंक विदेशी विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 74.48 पर खुला। कारोबार के दौरान यह 74.47 के दिन के उच्च स्तर और 74.55 के निम्न स्तर तक पहुंचा और अंत में पिछले कारोबारी सत्र के मुकाबले पांच पैसे की तेजी दिखाता हुआ 74.54 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इससे पहले बुधवार को रुपया प्रति डॉलर 74.59 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 फीसदी घटकर 92.33 रह गया।

चंदा कोचर मामला: सैट ने सेबी को 15 सितंबर तक कार्रवाई नहीं करने को कहा

बिजनेस डेस्क ।

प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) ने सेबी के न्यायाधिकारी को आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व प्रमुख चंदा कोचर से संबंधित मामले में 15 सितंबर कार्रवाई नहीं करने को कहा है। यह मामला सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति बी एन श्रीकृष्ण की एक रिपोर्ट के विश्लेषण के आधार पर नियामक द्वारा कोचर को जारी कारण बताओ नोटिस से संबंधित है। श्रीकृष्ण समिति, जिसे आईसीआईसीआई बैंक में लेनदेन के आरोपों की जांच का काम सौंपा गया था, ने जनवरी 2019 में ऋणदाता को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि कोचर ने बैंक की नीतियों और अन्य नियमों का उल्लंघन किया है। कोचर आईसीआईसीआई बैंक की प्रबंध निदेशक और सीईओ थीं तथा उन्होंने अक्टूबर, 2018 में इस्तीफा दे दिया था। सैट ने नौ जुलाई के अपने आदेश में न्यायाधिकारी को अगली सुनवाई तक मामले में किसी कार्रवाई से रोक दिया। सैट ने कहा कि मामले की अंतिम सुनवाई 15 सितंबर को होगी।

एचपी ने छात्रों व शिक्षकों के लिए एआई-पावर्ड डिजिटल समाधान पेश किए

नई दिल्ली।

एचपी इंडिया ने गुरुवार को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा संचालित समाधान पेश किए, जो शैक्षणिक संस्थानों को डिजिटल सीखने का माहौल बनाने में मदद करेंगे और छात्रों को ज्ञान, पाठ्यक्रम और सहयोगी संसाधनों तक 24/7 पहुंच प्रदान करेंगे। एचपी के समाधानों में स्कूल कोच, डिजिटल शिक्षाशास्त्र, साक्षरता प्राप्ति और स्कूल सुधार कोच, एचपी क्लासीजी और एक व्यापक मॉड्यूलर लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम शामिल है। कंपनी ने एचपी स्कूल कोच के लिए मिराई पार्टनर्स के साथ सहयोग किया, जो एक प्रमुख शिक्षण और विकास संगठन है। एचपी क्लासीसी को ई-लर्निंग समाधान प्रदान करने के लिए लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम और छात्र सूचना प्रणाली में अग्रणी क्लासेरा के साथ साझेदारी में लॉन्च किया गया। एचपी इंडिया मार्केट के केतन पटेल ने एक बयान में कहा, पिछले 15 महीनों से विश्व स्तर पर और भारत में शिक्षा प्रणाली पूरी तरह से प्रौद्योगिकी पर निर्भर है। ऑनलाइन सीखने के विकास ने एक हाइब्रिड लर्निंग मॉडल को जन्म दिया है। एक कुशल, आकर्षक और रचनात्मक हाइब्रिड शिक्षा प्रदान करने के लिए छात्रों के लिए अनुभव, सही उपकरणों और समाधानों तक पहुंच अनिवार्य है। एचपी में हम सभी के लिए यह एक विशेषाधिकार है कि हम प्रौद्योगिकी समाधान तैयार करें, जो छात्रों और शिक्षकों को उनके सीखने के लक्ष्यों को प्राप्त करने और भारत के भविष्य को बदलने में मदद करे। एचपी स्कूल कोच समाधान प्रारंभिक साक्षरता चुनौतियों जैसे डिस्लेक्सिया का आकलन कर सकता है, साथ ही उपचार में सहायता भी कर सकता है। अभिनव समाधान शिक्षकों और अभिभावकों को अंतर्दृष्टि, दक्षता और पारदर्शिता के आधार पर छात्रों की प्रस्तुतियों दर्शन की निगरानी करने की अनुमति देता है। एचपी क्लासीजी एक गतिविधि-आधारित शिक्षण प्रणाली है, जिसका उद्देश्य प्रेरणा, वैयक्तिकरण और जुड़ाव के माध्यम से स्कूली शिक्षा का माहौल फिर से बनाना है। वीडियो कॉन्फ्रें सिंग के एक अभिनव उपयोग के माध्यम से यह मंच एक आभासी कक्षा का वातावरण बनाता है जो शिक्षार्थियों को प्रोत्साहित और प्रेरित करते हुए जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए मंच पर सरलीकरण की एक परत जोड़ता है। मंच कक्षा की गतिविधियों को बदल देता है जो पहले एक भौतिक सेटिंग में एक सहज आभासी अनुभव में किए गए थे। टूल का बढ़ा हुआ उपयोग अकादमिक गतिविधियों को बढ़ावा देगा और माता-पिता और शिक्षकों को विशिष्ट लक्ष्यों की दिशा में प्रगति को ट्रैक करने की अनुमति देगा। ये समाधान पहले ही फिनलैंड, ब्रिटेन, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, यूएई, मिस्र सहित अन्य प्रमुख बाजारों में लागू किए जा चुके हैं।

फेसबुक ने क्रिएटर्स को स्टार्टअप देने के लिए एक बिलियन डॉलर का निवेश करने की योजना बनाई

सैन फ्रांसिस्को।

फेसबुक ने क्रिएटर्स को स्टार्टअप देने के लिए एक बिलियन डॉलर के निवेश की योजना बनाई है। फेसबुक ने घोषणा की है कि वह ऐसे कार्यक्रमों में 1 बिलियन डॉलर से अधिक का निवेश करने की योजना बना रहा है, जो क्रिएटर्स को फेसबुक और इंस्टाग्राम पर उनके द्वारा बनाई गई सामग्री के लिए पैसे कमाने के नए तरीके प्रदान करते हैं। इस निवेश में नए बोनस कार्यक्रम शामिल होंगे जो योग्य रचनाकारों को रचनात्मक और मुद्रीकरण टूल का उपयोग करने पर कुछ मील के पत्थर मारने के लिए भुगतान करते हैं। कंपनी ने बुधवार को एक ब्लॉगपोस्ट में कहा, हम क्रिएटर्स को उनकी सामग्री तैयार करने के लिए सीड फंडिंग भी प्रदान करेंगे। हमारा लक्ष्य हमारे ऐप्स पर अधिक से अधिक क्रिएटर्स को स्थायी, लंबे समय तक सफलता खोजने में मदद करना है। कंपनी ने कहा कि वह बोनस कार्यक्रम पेश कर रही है जो लोगों को पसंद आने वाली बेहतरीन कमों को साझा करने के लिए विभिन्न प्रकार के रचनाकारों को पुरस्कृत करेगा। बोनस रचनाकारों को यह समझने में भी मदद करेगा कि कौन सी सामग्री उनके लिए सबसे अच्छा प्रदर्शन करती है। कंपनी ने कहा है, बोनस कार्यक्रम समय के अनुसार होंगे, समय के साथ विकसित और विस्तारित होंगे। हालांकि कुछ बोनस प्रोग्राम पहले से ही आमंत्रण द्वारा चुनिंदा रचनाकारों के लिए उपलब्ध हैं, जैसे कि हमारे बैज और सितारे चुनौतियां, हम इस गर्मी में इंस्टाग्राम ऐप के भीतर और गिरावट में फेसबुक ऐप में बोनस के लिए एक समर्पित स्थान लॉन्च करेंगे, जहां निर्माता उनके लिए उपलब्ध बोनस के बारे में देख सकते हैं। फेसबुक पर पहले बोनस अवसर, जो अभी आमंत्रण द्वारा उपलब्ध हैं, क्रिएटर्स को अधिक कमाई करने में मदद करते हैं, जबकि यह सीखते हुए कि कैसे ऐसी सामग्री बनाई जाए जिससे कमाई की जा सके। आईजीटीवी विज्ञापन बोनस, जो अब यूएस में क्रिएटर्स के लिए उपलब्ध है, क्रिएटर्स को आईजीटीवी विज्ञापनों के लिए साइन अप करने के लिए फ्री बोनस पाने की अनुमति देता है, जो उन्हें अपने वीडियो के दौरान विज्ञापन चलने पर पैसा का एक हिस्सा अर्जित करने में सक्षम बनाता है। लाइव बोनस में बैज, जो अब 11 देशों के क्रिएटर्स के लिए उपलब्ध है, क्रिएटर्स को तब इनाम देते हैं, जब वे बैज के साथ कुछ खास मुकाम हासिल करते हैं, जैसे किसी दूसरे अकाउंट से लाइव जाना। आने वाले हफ्तों में यूएस में क्रिएटर्स के लिए लॉन्च होने वाला रील समर बोनस, इंस्टाग्राम पर शानदार रील कंटेंट बनाने के लिए क्रिएटर्स को देगा। क्रिएटर्स को इंस्टाग्राम ऐप के नए बोनस सेक्शन में रील समर बोनस मिल सकता है। उनकी रील के दर्शक के आधार पर कमाई होगी। कंपनी ने कहा, यह निवेश कंपनी भर में हमारे कई कार्यक्रमों और पहलों को एक साथ लाता है जो रचनाकारों का समर्थन करता है और उन्हें हमारे ऐप्स पर स्थायी पैसे कमाने के लिए सक्षम बनाता है।

पेट्रोल की कीमत और बढ़ी, डीजल की दर रही धीमी

नई दिल्ली।

वैश्विक संकेतों ने गुरुवार को देश भर में ईंधन की कीमतों को फिर से बढ़ा दिया। आम आदमी पहले से ही सिकुड़ती आय के बीच बढ़ती खाद्य कीमतों से जूझ रहा है। हालांकि, तेल विपणन कंपनियों ने गुरुवार को दो महीने से अधिक समय पहले अपनाए गए अपने अभ्यास को जारी रखा, जिससे पेट्रोल की कीमत डीजल की तुलना में अधिक बढ़ गई। इस हिसाब से दिल्ली में जहां पेट्रोल की कीमत 35 पैसे बढ़कर 101.54 रुपये प्रति लीटर हो गई, वहीं दिल्ली में डीजल की कीमत केवल 15 पैसे बढ़कर 89.87 रुपये प्रति लीटर हो गई। देश भर में भी पेट्रोल की कीमतों में 30-40 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई, डीजल की कीमतों में भी 10-20 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि हुई। गुरुवार से पहले, तेल विपणन कंपनियों ने दो बड़े तेल उत्पादकों सऊदी अरब और यूएई द्वारा ओपेक द्वारा तेल के उत्पादन पर किसी प्रकार के समझौते पर पहुंचने की खबर के बाद वैश्विक तेल की कीमतों को विकसित करने की भावना प्राप्त करने के लिए पिछले कुछ दिनों से ईंधन की कीमतों को अपरिवर्तित रखा था। मुंबई शहर में जहां 29 मई को पेट्रोल के दाम पहली बार 100 रुपये के पार चले गए, वहीं सोमवार को पेट्रोल का दाम 107.54 रुपये प्रति लीटर की नई ऊंचाई पर पहुंच गया। शहर में डीजल की कीमत भी 97.45 रुपये है, जो महानगरों में सबसे ज्यादा है। सभी महानगरों में पेट्रोल की कीमतें अब 100 रुपये प्रति लीटर को पार कर गई हैं। ओएमसी अधिकारियों ने कहा कि अगर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों में मजबूती जारी रही, तो कीमतें और बढ़ सकती हैं। गुरुवार की कीमतों में बढ़ोतरी के साथ, ईंधन की कीमतें अब 40 दिनों के लिए बढ़ गईं। 40 की बढ़ोतरी ने दिल्ली में पेट्रोल की कीमतों में 11.14 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। इसी तरह, राष्ट्रीय राजधानी में डीजल की कीमतों में 9.14 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हुई है। उपभोक्ता अब केवल यह उम्मीद कर सकते हैं कि ईंधन की कीमतों में और बढ़ोतरी पर रोक लगे क्योंकि ओएमसी ने राहत देने के लिए अगले कुछ दिनों में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में कटौती शुरू कर दी है। लेकिन अमेरिकी स्टॉक में गिरावट और बढ़ती मांग के मद्देनजर क्रूड अभी भी 75 डॉलर प्रति बैरल के आसपास है, अब ओएमसी की अगली कार्रवाई की प्रतीक्षा है।

यूएंडआई ने वायरलेस नेकबैंड कटेगरी में चार नए उत्पाद लॉन्च किए

नई दिल्ली।

गैजेट एक्सेसरी और कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड यूएंडआई ने चार वायरलेस नेकबैंड लॉन्च करने की घोषणा की, जो इसकी मौजूदा नेकबैंड श्रेणी पोटफोलियो को विस्तार देते है। नए लॉन्च किए गए वायरलेस नेकबैंड हैं- रैपिड सीरीज नेकबैंड, पॉसिबल सीरीज नेकबैंड, बडी सीरीज नेकबैंड और सीक्रेट सीरीज नेकबैंड। सभी चार नेकबैंड बेदाग ध्वनि गुणवत्ता और भारी बास प्रदान करते हैं जो कॉल सुनते समय या कभी भी और कहीं भी संगीत का आनंद लेते हुए बेहतर ध्वनि गुणवत्ता सुनिश्चित करते हैं। आज के लाइफस्टाइल में वायरलेस ईयरफोन का इस्तेमाल एक ट्रेंड बन गया है। नेकबैंड-स्टाइल वायरलेस इयरफोन के साथ परेशानी मुक्त संगीत का आनंद लेना एक रेज बन गया है क्योंकि यह एक किफायती मूल्य पर शानदार ध्वनि की गुणवत्ता प्रदान करता है। यूएंडआई एक अभिनव ब्रांड के रूप में अपने मूल्यवान उपयोगकर्ताओं की आवश्यकता को समझता है; इस प्रकार अपने ग्राहकों को एक प्रीमियम अनुभव प्रदान करने के लिए उत्पादों की श्रृंखला का लगातार विस्तार करते हुए नए मॉडल्स जोड़ रहा है। स्पोर्टीनेस और उत्पादकता के मामले में, नेकबैंड की नई लॉन्च की गई श्रृंखला दौड़ने, चलने और बाहरी गतिविधियों को करने के दौरान पहनने में आरामदायक है। सीरीज उन्नत ब्लूटूथ तकनीक 5.0 के साथ आती है; 10-12 मीटर तक की कनेक्टिविटी की रेंज प्रदान करते हुए एंड्रायड और आईओएस उपकरणों को आसानी से जोड़ा जा सकता है। यह स्टाइलिश डिजाइन, स्लीक लुक के साथ साथ बेहद हल्का भी है। लॉन्च पर बोलते हुए, परेश विज, संस्थापक और निदेशक, यूएंडआई ने कहा, हमें नए नेकबैंड की सीरीज के लॉन्च की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। हम विश्व स्तरीय सुविधाओं और शैलियों को लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो नयी पीढ़ी के लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। इन निरंतर परिवर्धन के साथ, हमारा लक्ष्य एक प्रतिष्ठित ब्रांड बनना है जो गुणवत्ता, डिजाइन के साथ-साथ किफायती मूल्य के मामले में उत्पादों की अधिकता प्रदान करता है।

भारत में 83 फीसदी इंजीनियर महामारी के बीच नौकरी बदलना चाहते हैं: सर्वेक्षण

नई दिल्ली।

भारत में लगभग 83 फीसदी इंजीनियर मौजूदा महामारी के बीच नौकरी में बदलाव की तलाश में हैं, लेकिन अधिकांश सीखने या नौकरी की कोई गारंटी नहीं होने के बावजूद मुफ्त सीखने के संसाधनों पर निर्भर हैं। आईपी-संचालित इनक्यूबेशन लैब ब्रिजलैब्ज द्वारा सर्वेक्षण, 1000 से अधिक लोगों द्वारा यह पता लगाने के लिए किया गया था कि महामारी ने इंजीनियरों के पेशेवर विकास को कैसे प्रभावित किया है। इससे पता चलता है कि अधिकांश लोग नौकरी बदलना चाहते हैं, लेकिन केवल 21 प्रतिशत ही अपस्किलिंग के लिए किसी भी तरह के संरचित पाठ्यक्रम में नामांकित हैं।

सर्वेक्षण के अनुसार, उत्तरदाताओं में से लगभग 58 प्रतिशत नए स्नातक थे और अभी भी नौकरी की तलाश में हैं। 50 प्रतिशत से अधिक उत्तरदाताओं का मानना है कि महामारी के बाद घर से काम करने से उनके पेशेवर विकास पर कोई असर नहीं पड़ा है। हालांकि, महामारी के बीच लगभग 75 प्रतिशत उत्तरदाताओं को कोई पदोन्नति या मूल्यांकन नहीं मिला। ब्रिजलैब्ज के संस्थापक नारायण महादेवन ने एक बयान में कहा,अधिकतम संख्या में इंजीनियर नौकरी बदलना चाहते हैं, लेकिन उन्हें स्पष्ट रूप से एक संरचित कार्यक्रम के माध्यम से अपस्किलिंग की आवश्यकता होती है जो यह वादा करता है - एक विकास कार्य! ब्रिजलैब्ज में, हम इस तरह के सर्वेक्षणों के साथ अंतराल खोजने और इंजीनियरों और कंपनियों दोनों की आकांक्षाओं को समझने की कोशिश कर रहे हैं। हम उन्हें मांग में नौकरियों के लिए सक्षम बनाना चाहते हैं।

एनटीपीसी ने चालू वित्त वर्ष में 100 अरब यूनिट संचयी उत्पादन हासिल किया

नई दिल्ली।

एनटीपीसी समूह की कंपनियों ने चालू वित्त वर्ष में पिछले साल की तुलना में काफी तेज दर से 100 अरब यूनिट (बीयू) संचयी उत्पादन हासिल किया है, जिसकी दर पिछले साल की तुलना में तेज है। पिछले साल 7 अगस्त 2020 को समूह उत्पादन 100 बीयू को पार कर गया था, जो बेहतर प्रदर्शन और चालू वर्ष में बिजली की मांग में वृद्धि का संकेत देता है। एनटीपीसी समूह की कंपनियों ने अप्रैल से जून 2021 की पहली तिमाही में 85.8 बीयू का उत्पादन दर्ज किया, जो पिछले साल की इसी तिमाही में उत्पन्न 67.9 बीयू से 26.3 फीसदी की वृद्धि दर्ज किया है। स्टैंडअलोन आधार पर, एनटीपीसी उत्पादन अप्रैल से जून 2021 की पहली तिमाही में 19.1 फीसदी बढ़कर 71.7 बीयू हो गया, जबकि पिछले साल इसी तिमाही में यह 60.2 बीयू था। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार, छत्तीसगढ़ में एनटीपीसी कोरबा (2600 मेगावाट) अप्रैल से जून 2021 के बीच 97.61 फीसदी प्लांट लोड फैक्टर (पीएलएफ) के साथ भारत में सर्वोच्च प्रदर्शन करने वाला थर्मल पावर प्लांट है। उत्तर प्रदेश में 37 वर्षीय एनटीपीसी सिंगरौली यूनिट 4 (200 मेगावाट) ने 102.08 फीसदी पीएलएफ हासिल किया, जो अप्रैल से जून 2021 तक देश में सबसे अधिक है। यह बिजली संयंत्रों के संचालन और रखरखाव में एनटीपीसी की विशेषता को प्रदर्शित करता है। परिचालन उत्कृष्टता के उच्च स्तर। 66085 मेगावाट की कुल स्थापित क्षमता के साथ, एनटीपीसी समूह के पास 29 नवीकरणीय परियोजनाओं सहित 71 बिजली स्टेशन हैं। एनटीपीसी ने 2032 तक 60 गीगावाट (जीडब्ल्यू) अक्षय ऊर्जा (आरई) क्षमता स्थापित करने का लक्ष्य रखा है। एनटीपीसी के पास निमार्णाधीन 20 मेगावाट से अधिक क्षमता है, जिसमें 5 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं शामिल हैं।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोपा अमेरिका की जीत के बाद मैसी ने अपने 100 वर्षीय सुपरफैन को भेजा संदेश

बार्सिलोना। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉल खिलाड़ी लियोनल मैसी ने कोपा अमेरिका का खिताब जीतने के बाद अपने 100 वर्षीय प्रशंसक डॉन हेरनान को वीडियो संदेश भेजा है। अर्जेंटीना ने फाइनल में ब्राजील को हराकर कोपा अमेरिका का खिताब जीता था। मैसी ने अब वीडियो संदेश के द्वारा 100 वर्षीय वायरल टिकटॉक स्टार जो उनका बहुत बड़ा प्रशंसक हैं, उन्हें बधाई दी है। हेरनान मैसी के करियर के शुरूआत से ही उनको फोलो करते आए हैं। उन्होंने मैसी द्वारा किए गए हर एक गोल को अपने हाथ से लिखकर नोटबुक में रिकॉर्ड किया है। इसके साथ ही वह अपने पोते जुलियन मास्ट्रांगेल को याद दिलाते हैं कि अगर वह एक मैच मिस कर दें तो जुलियन यह सुनिर्शि्चत करे कि मैसी का किया हुआ एक भी गोल नोटबुक में रिकॉर्ड होने से नहीं रह जाए। मैसी ने वीडियो संदेश भेज कहा, हेरनान आपकी कहनी मुझ तक पहुंची। यह मेरे लिए मजेदार है कि आप मेरे गोल रिकॉर्ड करते हैं। इसके लिए मैं आपको गले लगाना चाहता हूं और आप जो कर रहे हैं उसके लिए धन्यवाद देता हूं। वीडियो देखने के बाद हेरनान की आंखे भर आई और उन्होंने कहा, मैं हमेशा आपको फोलो करता हूं और अंत तक करता रहूंगा। मैं आपके पीछे खड़ा हूं।

ओलंपिक काउंटडाउन : मनिका और शरत कमल पर मिक्सड युगल टेटे में होगी जिम्मेदारी

मुंबई।

भारत की टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा और शरत कमल पर टोक्यो ओलंपिक में मिक्सड युगल में पदक लाने की जिम्मेदारी होगी।भारत ने 1988 से हर ओलंपिक में टेबल टेनिस से दो खिलाड़ियों को उतारता आया है। लेकिन इस खेल में चीन का दबदबा रहा है और अन्य देशों के खिलाड़ियों के लिए पदक जीतने की उम्मीद कम रहती है। चीन ने ओलंपिक में 32 में से 28 स्वर्ण पदक जीते हैं। अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ (आईटीटीएफ) ने बाद में इसके प्रारूप और नियमों में बदलाव किया और प्रत्येक देश से हर इवेंट में अधिकतम दो क्वालीफाइंग स्पॉट रखा। 2008 बीजिंग ओलंपिक खेलों के बाद से पुरुष और महिला युगल को पुरुषों और महिलाओं की टीम प्रतियोगिताओं से बदल दिया गया है। टोक्यो में पुरुष और महिला दोनों वर्गों में एकल और टीम स्पर्धाओं में प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी जबकि मिक्सड युगल इवेंट भी होगा। भारतीय टीम के एशियन क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट के फाइनल राउंड में हारने के बाद चार भारतीय खिलाड़ियों ने टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया था। टोक्यो में भारत की ओर से शरत और जी सात्यिान पुरुष एकल जबकि मनिका और सुतीर्था मुखर्जी महिला एकल वर्ग में भाग लेंगी। शरत और मनिका ने मिक्सड युगल इवेंट के लिए क्वालीफाई किया है और ये पदक के दावेदार हैं। 39 वर्षीय शरत चौथे ओलंपिक में हिस्सा लेंगे जबकि मनिका का यह दूसरा ओलंपिक होगा। शरत ने पहली बार 2004 एथेंस ओलंपिक में हिस्सा लिया था। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने हाल के दिनों में राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों में बेहतर प्रदर्शन किया था। मनिका ने 2018 राष्ट्रमंडल खेलों में महिला एकल वर्ग में स्वर्ण जीता था जबकि मनिका तथा शरत ने जर्काता एशिया खेलों में मिक्सड युगल इवेंट में कांस्य पदक जीता था। भारत को मिक्सड युगल में पदक जीतने की उम्मीद है।

भारतीय टीम दर्शकों के बिना काउंटी एकादश के खिलाफ अभ्याय मैच खेलेगी

लंदन।

भारतीय टेस्ट टीम इंग्लैंड में काउंटी चैंपियनशिप एकादश के खिलाफ दर्शकों के बिना तीन दिवसीय अभ्यास मैच खेलेगी। यह मैच इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले तैयारी के लिए है। अभ्यास मैच 20 जुलाई से रिवरसाइड ग्राउंड में खेला जाएगा। डरहम क्रिकेट ने इसकी पुष्टि की। डरहम काउंटी क्रिकेट ने बयान जारी कर कहा, हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अमीरात रिवरसाइड भारत और काउंटी चैंपियनशिप एकादश के बीच अभ्यास मैच की मेजबानी करेगा। बयान में कहा, विश्व की नंबर-2 टेस्ट टीम ने इस बार अमीरात रिवरसाइट को अपना घरेलू आयोजन स्थल बनाया है। टीम 20 जुलाई से काउंटी के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेगी। विराट कोहली के नेतृत्व वाली टीम के खिलाफ तीन दिनों के खेल में काउंटी सर्किट से कई खिलाड़ी होंगे। सूत्रों के अनुसार, भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं और फिलहाल आईसोलेशन में है। इसी कारण अभ्यास मैच को दर्शकों के बिना कराने का फैसला किया गया है। भारत और इंग्लैंड के बीच चार अगस्त से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज शुरू होनी है।

ब्रिटेन की महिला फुटबॉल टीम ओलंपिक में करेगी ब्लैक लाइव्स मैटर का समर्थन

लंदन ।

ब्रिटेन की महिला फुटबॉल टीम की योजना तोक्यो ओलंपिक में मैच शुरू होने से पहले एक घुटने के बल बैठकर नस्लवाद का विरोध करने की है। पिछले साल से खिलाड़ी इस मुद्रा से नस्लवाद का विरोध दर्ज करा रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने इस महीने अपने नियमों में थोड़ी रियायत दी है जिससे ओलंपिक खिलाड़ी टोक्यो खेलों में खेलने के दौरान मैदान पर विरोध की मुद्रा बना सकते हैं। ब्रिटेन की कोच हेगे रिसे ने कहा कि खिलाड़ी और स्टाफ पिछले एक साल से ज्यादा समय से क्लब और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक घुटने के बल बैठ रहे हैं और हम जो कर रहे हैं, उसे जारी रखने के फैसले में सभी एकजुट हैं ताकि हम नस्लवाद और भेदभाव के प्रति जागरूकता फैला सकें और जिनकी जिंदगी इससे प्रभावित हुई है, उन सभी के साथ एकजुट होकर मजबूती दिखा सकें।

भारोत्तोलक मीराबाई और निशानेबाज ओलंपिक तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे

मुंबई।

टोक्यो ओलंपिक को शुरू होने में अब महज कुछ ही समय शेष रह गया है और भारोत्तोलक मीराबाई चानु और निशानेबाज इसकी तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुट गए हैं। भारत में जो एथलीट हैं वह पहले से ही आईसोलेशन में है और 17 जुलाई को रवाना होने से पहले कोरोना टेस्ट के लिए तैयार हैं। ओलंपिक दल को 18 जुलाई से ओलंपिक विलेज में शामिल होने की इजाजत है। भारत से टोक्यो जाने वाले खिलाड़ियों को तीन दिनों तक क्वारंटीन में रहना होगा। भारतीय एथलीट जो विदेश से टोक्यो पहुंचेंगे उन्हें क्वारंटीन में रहने की जरूरत नहीं होगी। भारतीय पुरुष और महिला टीमें सहित कुल 70 खिलाड़ियों का पहला दल नई दिल्ली से 17 जुलाई को टोक्यो के लिए रवाना होगा। भारोत्तोलक मीराबाई और शूटर राही सरनोबात ओलंपिक तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुट गई हैं। मीराबाई अमेरिका के कनकास शहर में ट्रेनिंग कर रही हैं। भारतीय खेल प्राधिकरण ने गुरुवार को मीराबाई की ट्रेनिंग सीजन के फोटो और वीडियो पोस्ट किए। सरकार ने अमेरिका में दो महीने तक ट्रेनिंग के लिए 40 लाख रूपये खर्च किए हैं। मीराबाई भारत की एकमात्र भारोत्तोलक हैं जिन्होंने ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया है और वह महिला 49 किग्रा में पदक की प्रबल दावेदार हैं। क्रोएशिया के जागरेब में शूटर भी फाइनल ट्रेनिंग कर रहे हैं।

निशानेबाज पहले से एक महीने से अधिक समय से बायो बबल में है लेकिन इन्हें टोक्यो पहुंचने पर भी कुछ समय तक क्वारंटीन में रहना होगा। भारतीय मुक्केबाजी टीम इटली से टोक्यो पहुंचेगी जहां वे पिछले महीने से कैंप कर रहे हैं जबकि भालाफेंक एथलीट नीरज चोपड़ा स्वीडन से टोक्यो रवाना होंगे।

संक्षिप्त समाचार

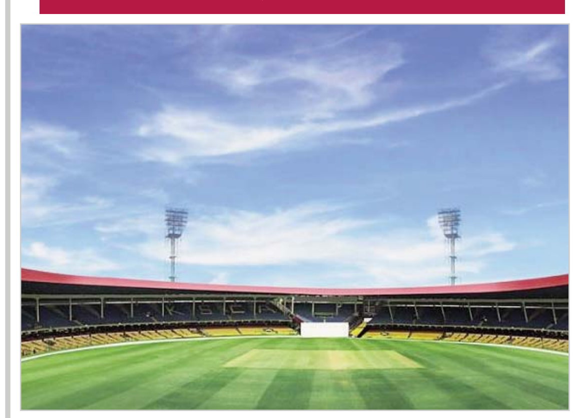

फुटबॉल के गढ़ बार्सीलोना में भी बनेगा क्रिकेट स्टेडियम, होगा इतना खर्चा

बार्सीलोना। फुटबॉल के लिए मशहूर बार्सीलोना में एक क्रिकेट स्टेडियम बनने जा रहा है ओर इसका श्रेय महिला टीम के लिए जुटाए गए जन समर्थन को जाता है। बार्सीलोना शहर प्रशासन ने पिछले महीने नागरिकों से रायशुमारी कराई थी। वे नयी सुविधाओं और सार्वजनिक स्थानों को बेहतर बनाने पर 35 मिलियन डॉलर खर्च करना चाहते हैं। क्रिकेट मैदान को 184 प्रस्तावों में से सबसे ज्यादा वोट मिले। इस पर करीब 14 लाख डॉलर खर्च किए जाएंगे।स्पेन के लिए क्रिकेट नया है और इस मुहिम का श्रेय युवा महिलाओं को जाता है जिनमें अधिकांश भारत ओर पाकिस्तान से आई अप्रवासी हैं जो बार्सीलोना के उपनगरों में रहतीं हैं। 18 वर्ष की छात्रा नादिया मुस्तफा ने कहा कि यह सपना सच होने जैसा है। हमने कई हफ्तों मेहनत करके लोगों को इसके पक्ष में मतदान के लिए तैयार किया। अब बार्सीलोना में पहला क्रिकेट स्टेडियम बनेगा। बार्सीलोना में काफी संख्या में भारतीय और पाकिस्तानी रहते है। यहां करीब 400 क्रिकेटर हैं जबकि 25 महिला और पुरूष टीमें हैं।

कोच द्रविड़ के साथ सीखने के लिए उत्सुक हूं : पडीकल

कोलंबो। युवा बल्लेबाज देवदत्त पडीकल का कहना है कि वह कोच राहुल द्रविड़ के साथ समय बिताने और सीखने के लिए उत्सुक हैं। पडीकल ने एक टीवी चैनल से कहा, स्कूल के दौरान मैं पहली बार उनसे वास्तव में हमारे एक खेल दिवस के आयोजन में मिला था, जहां मुझे उन्हें एक गुलदस्ता भेंट करना था, तभी मैंने उनसे पहली बार बात की थी।उन्होंने कहा, मैं हमेशा इस बात से अचंभित रहा हूं कि द्रविड़ अविश्वसनीय रूप से कितने शांत और सौम्य इंसान हैं। क्रिकेट में इतना सब हासिल करने के बावजूद वह जिस तरह जमीन से जुड़े व्यक्ति हैं, उन्हें देखना अद्भूत है। पडीकल ने विजय हजारे ट्रॉफी में 147.4 के औसत से 737 रन बनाए थे। उन्होंने आईपीएल 2020 में 15 मैचों में 473 रन और 2021 के सीजन में छह मैचों में 195 रन बनाए थे। पडीकल ने कहा, द्रविड़ जैसा कोच होने से आप ज्यादा कुछ नहीं पूछ सकते हैं। उनके जैसा मेंटर होना एक सुखद अनुभव है और उम्मीद करता हूं कि मैं उनसे काफी कुछ सीखूंगा।

अपनी ओलंपिक की तैयारी से खुश नहीं है पीवी सिंधु, कही यह बात

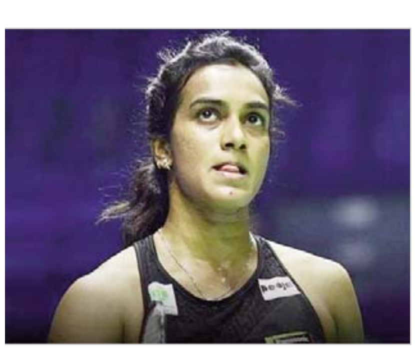

नई दिल्ली ।

विश्व बैडमिंटन चैंपियन पीवी सिंधू ने कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण मिले ब्रेक ने असल में उन्हें बेहतर खिलाड़ी बनाया क्योंकि इससे उन्हें अपनी तकनीक और कौशल पर काम करने का पर्याप्त समय मिला। महामारी के कारण पिछले साल 2016 रियो ओलंपिक की रजत पदक विजेता सिधू की टोक्यो ओलंपिक की तैयारियां प्रभावित हुईं थी लेकिन उनका मानना है कि इससे फायदा हुआ। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी ने कहा कि मुझे लगता है कि महामारी के दौरान ब्रेक उपयोगी था क्योंकि मुझे अधिक सीखने और अपनी तकनीक तथा कौशल पर ध्यान देने का मौका मिला इसलिए मैं कहूंगी कि इससे मदद मिली। उन्होंने कहा कि इससे मेरी ओलंपिक की तैयारी अधिक प्रभावित नहीं हुई क्योंकि मुझे लगता है कि मुझे पर्याप्त समय मिला। अधिकांश समय हमारे पास ट्रेनिंग का समय नहीं होता इसलिए मुझे लगता है कि पहली बार हमें असल में ट्रेनिंग का पर्याप्त समय और ओलंपिक के लिए तैयार होने का मौका मिला। दुनिया की सातवें नंबर की खिलाड़ी सिंधू महिला एकल में टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली एकमात्र भारतीय हैं। उन्हें अपने से कम रैंकिंग वाली इजराइल की पोलिकारपोवा सेनिया और हांगकांग की च्युंग एनगान यी के साथ आसान ग्रुप जे में रखा गया है।

सिंधु ने कहा कि मुझे यकीन है कि उम्मीदें होंगी, हर बार की तरह जिम्मेदारी होगी लेकिन उम्मीद करती हूं कि आपके प्यार और समर्थन से मैं पदक के साथ देश वापस लौटूंगी। सिंधू ने हालांकि कहा कि उन्हें ओलंपिक में दर्शकों की कमी खलेगी क्योंकि कोविड-19 महामारी के कारण खेलों का आयोजन खाली स्टेडियमों में होगा। मुझे प्रशंसकों की काफी कमी खलेगी। रियो में सब कुछ काफी अलग था। लेकिन मुझे लगता है कि हमें स्थिति का आदी होना होगा, यही अब सामान्य हालात हैं। कुल मिलाकर हम भी इसी तरह अभ्यास कर रहे हैं कि इन हालात के आदी हो जाएं।

अपने मजबूत पक्ष के हिसाब से गेंदबाजी की : स्टार्क

सेंट लुसिया।

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क का कहना है कि उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ चौथे टी 20 में उनके मजबूत पक्ष के हिसाब से गेंदबाजी की। ऑस्ट्रेलिया और विंडीज के बीच पांच मैचों की टी 20 सीरीज का चौथा मुकाबला बेहद रोमांचक रहा जिसका फैसला आखिरी ओवर में हुआ जहां ऑस्ट्रेलिया ने चार रन से जीत हासिल की। स्टार्क ने कहा, मैंने अच्छा खासा सीमित ओवरों का क्रिकेट खेला है। लेकिन पिछले पांच ओवर में मैंने जो किया है वो सीमित ओवरों के करियर में सबसे बेहतर है। उन्होंने कहा, मैंने अतीत में आंद्रे रसेल के खिलाफ गलतियां की है जिसमें पिछला मुकाबला इसका उदाहरण है जहां मैंने दो मानसिकता के साथ गेंदबाजी की। इस सीरीज के पहले दो मैच में स्टार्क आठ ओवर में 89 रन देकर खाली हाथ रहे थे। तीसरे मैच में उन्होंने चार ओवर में 15 रन देकर एक विकेट लिया। हालांकि, चौथे मैच में भी वह 37 रन देकर विकेट लेने में नाकाम रहे लेकिन वह अंतिम ओवर में रसेल को जीत के लिए जरूरी 11 रन बनाने से रोकने में सफल रहे। स्टार्क ने कहा, मैं निजी तौर पर ऐसे प्लान का समर्थन नहीं करता। मैंने उस हिसाब से गेंदबाजी की जो मेरा मजबूत पक्ष है। मेरे ख्याल से टी20 क्रिकेट में यही जरूरी है। अगर आप दोहरी मानसिकता के साथ दौड़ रहे हैं तो आप पहले ही मैच में पीछे रह जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया और विंडीज के बीच फाइनल टी20 मुकाबला 17 जुलाई को खेला जाएगा। विंडीज ने पांच मैचों की सीरीज में 3-1 की बढ़त बनाई हुई है।

ओलंपिक शुरू होने से पहले मंडराया खतरा, जापान में कोरोना के मामले बढ़े

टोक्यो = टोक्यो में ओलंपिक शुरू होने से आठ दिन पहले नये कोरोना वायरस संक्रमण के 1308 मामले मिले हैं जो छह महीने में सबसे ज्यादा हैं। इससे ओलंपिक के दौरान अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढने की आशंका है। टोक्यो में आपातकाल का चौथा दौर लागू है जो सोमवार से शुरू हुआ। ओलंपिक के दौरान रेस्त्रां और बार जल्दी बंद होंगे और अल्कोहल नहीं परोसी जाएगी। गुरूवार को मिले मामले 21 जनवरी को मिले 1485 मामलों के बाद से सर्वाधिक हैं। जापान में जून से रोजाना मामलों की संख्या बढ़ रही है और विशेषज्ञों का मानना है कि ओलंपिक के दौरान यह संख्या हजारों में पहुंच जाएगी। जापान में अब तक 828000 मामले आ चुके हैं और 15000 मौतें हो चुकी हैं।

बीसीसीआई ने इंग्लैंड में भारतीय खिलाड़ी के कोरोना पॉजिटिव होने की पुष्टि की

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंग्लैंड में टीम इंडिया के एक खिलाड़ी के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने की गुरूवार को पुष्टि की है।सूत्र के अनुसार, यह खिलाड़ी विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत हैं जिनका कुछ दिनों बाद दोबारा टेस्ट होगा। आईएएनएस द्वारा टीम में कोरोना के मामले के बारे में पूछे जाने पर बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने खिलाड़ी का नाम बताने से इंकार कर दिया लेकिन इस बात की पुष्टि की कि एक खिलाड़ी कोरोना पॉजिटिव पाया गया है।शुक्ला ने कहा, एक खिलाड़ी पॉजिटिव पाया गया है और उसे आईसोलेशन में रखा गया है। आज आठवां दिन है जब उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। कुछ दिनों बाद उनका दोबारा टेस्ट किया जाएगा। उन्होंने कहा, वह ब्रेक के दौरान अपने रिश्तेदार के साथ रह रहे थे और वायरस की चपेट में आए। वह टीम के अन्य सदस्यों से दूर थे जिसके कारण टीम प्रभावित नहीं हुई और इन्हें आईसोलेशन में रहने की जरूरत नहीं है। बोर्ड के उपाध्यक्ष ने पुष्टि करते हुए बताया कि संक्रमित खिलाड़ी अपने रिश्तेदार के यहां आईसोलेशन में हैं और वह डरहम नहीं जाएंगे। पॉजिटिव मामला सामने आने से बीसीसीआई के ब्रेक के दौरान खिलाड़ियों को बाहर जाने की इजाजत देने के फैसले पर सवाल खड़े हुए हैं। पंत गत 29 जून को इंग्लैंड और जर्मनी के बीच यूरो 2020 का प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबला देखने गए थे और उन्होंने दर्शकों के बीच में बैठकर अपने कुछ दोस्तों के साथ फोटो भी ट्वीट की थी। पंत ने वेंब्ले

स्टेडियम की तस्वीर पोस्ट कर लिखा था, इंग्लैंड और जर्मनी का मैच देखना अच्छा अनुभव। पंत के अलावा हनुमा विहारी और जसप्रीत बुमराह भी यूरो 2020 का मुकाबला देखने के लिए वेंब्ले स्टेडियम गए थे। शास्त्री के अलावा टीम के ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन विंबलडन का मुकाबला देखने गए थे। शुक्ला ने कहा, बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने सभी सदस्यों को एहतियात बरतने और बाहर नहीं निकलने के दिशानिर्देश जारी किए हैं।

मेरा ध्यान केवल टोक्यो ओलिम्पिक में सफल अभियान पर : रोहिदास

बेंगलुरू : भारतीय हॉकी टीम के डिफेंडर अमित रोहिदास ने कहा कि अब जबकि उनका ओलिम्पिक खेलों में खेलने का सपना पूरा होने वाला है तब उनका एकमात्र ध्यान टोक्यो खेलों में पदक के साथ वापसी करने पर टिका है। रोहिदास ने हॉकी इंडिया की प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि मुझे यहां पहुंचने में 12 वर्ष लगे। मैं ओलंपिक टीम का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं। मेरा सबसे बड़ा सपना अब पूरा हो गया है। उन्होंने कहा- मैं अपने प्रत्येक कोच का आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने मुझे एक हॉकी खिलाड़ी के रूप में तैयार करने में मदद की। मेरा ध्यान केवल टोक्यो ओलंपिक के सफल अभियान पर टिका है। हाल के सफल दौरों से निश्चित तौर पर टीम का मनोबल बढ़ा है। इस 28 वर्षीय खिलाड़ी ने राष्ट्रीय टीम की तरफ से 97 मैच खेले हैं। वह ओडिशा के सुंदरगढ़ में उसी गांव के रहने वाले हैं जहां तीन बार के ओलंपियन और पूर्व भारतीय कप्तान दिलीप टिर्की का जन्म हुआ था। रोहिदास ने कहा कि उन्होंने (दिलीप टिर्की) हम कई गांव वालों को हॉकी खेल से जुडने् के लिये प्रेरित किया। मैं जिस क्षेत्र का रहने वाला हूं वहां के लिये हॉकी एक खेल ही नहीं सामाजिक आर्थिक विकास का साधन भी है। मैं ओडिशा का पहला गैर आदिवासी हॉकी ओलंपियन हूं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्या आप हैं आइडियल वेट

छरहरी काया किसे पसंद नहीं होती। जहां भी जाएं, सभी आपकी फिटनेस की तारीफ करें। युवक हो या युवती सभी परफेक्ट बॉडी शेप के लिए चिंतित रहते हैं। फिटनेस को लेकर चिंता तो रहती है, लेकिन उस ओर कदम कुछ ही लोग उठाते हैं।

क्या हो आपका बीएमआई

- हेल्दी वजन- 18 से 22.9
- ओवरवेट - 23 से 23.9 या इससे ज्यादा है।
- (बॉडी बिल्डर्स और बुजुर्गों के लिए बीएमआई का यह मानक मान्य नहीं है।)

अपने वजन को लेकर हम अक्सर चिंतित तो रहते हैं, लेकिन हममें से कितने लोग होंगे, जिन्हें अपने 'आइडियल बॉडी वेट' या यूं कहें कि आदर्श शारीरिक वजन की जानकारी होगी! बहुत ही कम लोगों को, है न! क्या आप जानते हैं कि इसकी एक सबसे बड़ी वजह यह है कि न तो हम जिम जाते हैं और न ही किसी डाइटीशियन के पास। इसलिए 'आइडियल बॉडी वेट' कितना होना चाहिए, कभी जान ही नहीं पाते। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। बॉडी मास इंडेक्स यानी बीएमआई और वेस्ट साइज यानी कमर की माप के जरिए आप आसानी से यह पता लगा सकेंगे कि आप 'आइडियल वेट' हैं या नहीं या आप किसी भी तरह के स्वास्थ्य संबंधी खतरे से तो नहीं जूझ रहे हैं!

क्यों है जरूरी

ओवरऑल बॉडी मास की तुलना में आपके बॉडी फैट की मात्रा का सही होना, जो अत्यधिक वजन की वजह से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी कई खतरों को कम करने में मदद करता है। इससे समय से पहले उम्र की रेखाओं को आने से रोका भी जा सकता है और लाइफ स्टाइल क्वालिटी को बढ़ाने में मदद भी मिलती है। दूसरी ओर, ओवरवेट यानी मोटा-ताजा होना कई बीमारियों और बीमारियों की संभावना को बढ़ाता है। भारतीय शहरों के लगभग 65 प्रतिशत युवा आज या तो ओवरवेट हैं, स्थूलकाय हैं या फिर मोटापे से परेशान हैं। वे या तो हार्ट डिजीज, हाई ब्लड प्रेशर, टाइप टू डायबिटीज, ऑस्टियोऑर्थराइटिस यानी अत्यधिक वजन की वजह से जोड़ों की समस्या, कुछ खास तरह के कैंसर, सांस लेने से जुड़ी परेशानियों से पीड़ित हैं या फिर इन बीमारियों से पीड़ित होने के कगार पर हैं।

बॉडी पर ध्यान दें

बॉडी फैट का विश्लेषण बॉडी फैट मापने का बेहतर माध्यम कहा जा सकता है। बहुत से प्रशिक्षक इसे मापने के लिए केवल कमर की माप लेने के बजाय कमर और हिप का अनुपात देखना प्रेफर करते हैं। फिटनेस एक्सपर्ट के अनुसार, भारतीय महिलाओं की कमर पतली और हिप चौड़ी होती है, इसलिए केवल कमर की माप देखने के बजाय वेस्ट और हिप का अनुपात देखना बेहतर होता है। वेस्ट और हिप का अनुपात शारीरिक बनावट को ध्यान में रखते हुए उसका आदर्श वजन बताने में मदद करता है। अत्यधिक वजन की वजह से डायबिटीज, हार्ट डिजीज, हाई ब्लड शुगर, हाई एलडीएल (लो डेंसिटी लिपोप्रोटीन) जैसी स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याओं के बढ़ने का खतरा रहता है। इनसे बचने के लिए काफी हद तक आप खुद भी बीएमआई और वेस्ट साइज देखकर अपने बढ़ते वजन के बारे में पता कर सकते हैं।

ट्रांसफर हो सकता है मोटापा

अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन के अनुसार, मोटापा एक ऐसी बीमारी है, जो एक से दूसरे में ट्रांसफर भी हो सकती है। यदि आपका दोस्त मोटा है तो आपके भी मोटे होने की आशंका 57 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। ऐसा विवाहित जोड़ियों या सगे भाई-बहनों के साथ भी हो सकता है, क्योंकि काफी हद तक वे एक-दूसरे से जुड़े होते हैं।

आप हेल्दी वेट हैं या नहीं

किसी भी वयस्क की लंबाई और वजन को ध्यान में रखकर उसके सही बॉडी वेट या फैट को तय करना ही बॉडी मास इंडेक्स यानी बीएमआई कहलाता है। अपना बीएमआई जानने के लिए आप अपने वजन को किलोग्राम में और लंबाई को मीटर में माप लें। अब लंबाई की माप को वर्ग कर लें यानी उस लंबाई में उतने से ही गुणा कर दें। अब वजन में अंतिम रूप से प्राप्त लंबाई से भाग दे दें। मान लें कि आपका वजन 70 किलोग्राम है और आपकी लंबाई 1.6 मीटर है। तो बीएमआई निकालने के लिए सबसे पहले लम्बाई का वर्ग कर लें यानी 1.6 में 1.6 से गुणा कर लें जो 2.56 होगा। अब वजन यानी 70 में 2.56 से भाग दे दें। प्राप्त परिणाम होगा 27.35, जो आपका बीएमआई कहलाएगा। अगर आपका वजन 60 किलोग्राम है और वजन 1.6 मीटर तो आपका बीएमआई 60 में 2.56 से भाग देने से निकलेगा। यह 23.43 होगा। बीएमआई पर नजर रखकर आप अपने वजन पर खुद भी नियंत्रण रख सकते हैं। यदि आप ओवरवेट हैं या फिर मोटापे के शिकार हैं तो पहले खुद को और मोटे होने से रोकें। तभी बाद में आप अपना वजन कम करने पर ध्यान दे पाएंगे। यदि आपकी बीएमआई रेंज हेल्दी है तो अच्छी डाइट और एक्सरसाइज प्लान के जरिए बाद में आप अपना वजन बढ़ा भी सकते हैं।

वेस्ट साइज

यदि आपका बीएमआई आपको हेल्दी वेट वाला बताता है तो आपके कमर की माप लेना और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। यह खासतौर से भारतीयों पर लागू होता है, क्योंकि भारतीयों की कमर चौड़ी होती है। यदि आप महिला हैं और आपका वेस्ट साइज 80 से.मी. से ज्यादा है या आप पुरुष हैं और आपका वेस्ट साइज 90 से.मी. से ज्यादा है तो आपके स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से ग्रस्त होने की आशंका प्रबल है और आपके हार्ट डिजीज, टाइप टू डायबिटीज, ब्रेस्ट कैंसर से ग्रस्त होने और प्री-मैच्योर डेथ की अधिक आशंका है। ध्यान रखें कि पुरुषों के कमर के आसपास और महिलाओं के लोअर बॉडी में फैट बढ़ने की संभावना अधिक रहती है।

वेस्ट साइज मापने का सही तरीका

सीधे खड़े होकर टेप से आप हिप बोन्स के ठीक ऊपर का हिस्सा मापें। ऐसा सांस छोड़ने के तुरंत बाद करें। यदि आपका बीएमआई या कमर की गोलाई हेल्दी लिमिट्स को पार कर रही हो तो अत्यधिक वजन की वजह से होने वाली बीमारियां होने का खतरा बढ़ जाता है। इससे बचने के लिए जरूरी है कि आप वजन कम करने की योजना बनाएं।

सीने के दर्द को न करें दरकिनार

सीने का दर्द एंजाइना के शुरुआती लक्षणों में से एक है, जो आगे चलकर दिल का मरीज बना सकता है। इसे महिलाओं के लिए साइलेंट किलर कहा जाता है।

आशा 54 वर्ष की उम्र में भी बेहद नियमित और सक्रिय रहने वाली महिला रही है। थोड़ी बहुत शारीरिक परेशानी के नाम पर उन्हें कभी-कभार चेस्ट पेन की शिकायत होती थी। लेकिन इसे वह ज्यादा तवज्जो नहीं देती थीं। एक रोज अचानक जब उन्हें दिल का दौरा पड़ा तो किसी को यकीन नहीं हुआ कि बेहद नियमित दिनचर्या वाली आशा को भी ऐसी परेशानी हो सकती है। दिल का दौरा पड़ने के बाद समय पर उन्हें हॉस्पिटल पहुंचाने से उनकी जान तो बच गई, लेकिन तमाम जांच-पड़ताल के बाद डॉक्टरों ने जो बताया, वह चौंकाने वाला था। डॉक्टरों का कहना था कि आशा को दिल का दौरा यूं ही अचानक नहीं पड़ा। समय-समय पर उनके सीने में होने वाला हल्का दर्द ही इस बात का संकेत दे रहा था कि उनका दिल बीमार है और उसे दवा और देखरेख की जरूरत है। लेकिन राधा ने उस दर्द पर ध्यान न देकर खुद को हृदय रोगी बना लिया। आमतौर पर महिलाएं सीने में उठने वाले हल्के दर्द पर ध्यान नहीं देती हैं, जो आगे जाकर बड़ी समस्या का रूप ले लेता है। आमतौर पर सीने में होने वाले इस दर्द को 'एंजाइना' कहा जाता है, जिसे मेडिकल लैंग्वेज में एंजाइना पेक्टोरिस के नाम से जाना जाता है।

खून की कमी

'एंजाइना की समस्या तब होती है, जब कोरोनरी डिजीज के चलते हार्ट तक पहुंचने वाले रक्त की मात्रा कम होती जाती है। हार्ट को ऑक्सीजन की कमी महसूस होने लगती है, जो दर्द के रूप में सामने आती है। एंजाइना कोई बीमारी नहीं है, बल्कि यह हार्ट से जुड़ी समस्या बन आप पर हावी होने का संकेत देती है। कभी एंजाइना का दर्द सीने के अलावा एक तरफ की बांह, कंधे, जबड़ों, गर्दन और कमर में भी होता है।' ऐसे में एंजाइना को हल्के में लेना खतरनाक हो सकता है। ज्यादातर लोग यह मानते हैं कि एंजाइना से आमतौर पर पुरुष ही प्रभावित होते हैं, लेकिन अध्ययन बताते हैं कि अधिकतर महिलाओं को अगर हार्टअटैक की समस्या होती है तो इसकी एक बड़ी वजह एंजाइना ही होता है। एंजाइना के चलते मरीज को सीने में होने वाला दर्द, अजीब-सा भारीपन, सांस लेने में ज्यादा दबाव डालना आदि संकेत मिलते हैं। कभी-कभी एंजाइना से पीड़ित महिला को भूख न लगना, लगातार पसीना निकलना और कंपकंपी की शिकायत भी होती है।

स्टेबल एंजाइना की परेशानी

'महिलाओं में आमतौर पर स्टेबल एंजाइना की परेशानी ही ज्यादा देखने को मिलती है, जो थोड़ी देर आराम करने के बाद नियंत्रित हो जाती है। इसी कारण महिलाएं इस समस्या को ज्यादा तवज्जो नहीं देती हैं। अगर एंजाइना को शुरुआती लक्षणों के दौरान भांप लिया जाए तो दवाओं से इसे नियंत्रित किया जा सकता है और हार्ट से जुड़े खतरे को टाला जा सकता है।'

गुस्से को कहिए बाय-बाय

गुस्सा आएगा तो स्वाभाविक है कि वह किसी न किसी तरह बाहर भी निकलेगा। कई बार हम गुस्से को गलत तरीके से भी बाहर निकालते हैं और हम अपना ही नुकसान कर बैठते हैं, लेकिन कुछ समझ-बूझ और संयम से भी गुस्से को बढ़ने से रोका जा सकता है।

जब गुस्सा आता है तो दिल करता है आसपास तोड़-फोड़ कर दूं। जोर से चीखूं, चिल्लाऊं। गुस्सा आने पर हमारी स्थिति कुछ ऐसी ही होती है। बिना सोचे-समझे कोई भी कदम उठा लेते हैं। गुस्से को कैसे कम किया जाए और गुस्सा आने पर खुद को कैसे संभालें। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार कई महत्वपूर्ण बातें हैं, जिनसे गुस्से को काबू किया जा सकता है।

गलती का एहसास

गुस्से पर नियंत्रण के लिए आवश्यक है सबसे पहले एहसास होना कि हम कुछ गलत कर रहे हैं और गुस्सा खत्म करने की इच्छा हो। अगर गलत करने का पछतावा ही नहीं होगा तो उसे सुधारने की इच्छा कैसे जागेगी। तो इस गुस्से की समस्या पर पहले ही जीत क्यों न हासिल करें।

वजह को समझो : जॉब छूटने पर, कैरियर में असफल होने पर या किसी निजी परेशानी या अन्य कारणों से तनाव बढ़ने से स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है। तो ऐसे में गुस्से की वजह को जानने की कोशिश करें। जानें कि क्यों आपके व्यवहार में चिड़चिड़ापन आ रहा है। कारणों को समझकर उसे हल करने का प्रयास करें।

बात करें : कई बार दोस्तों, पति-पत्नी या परिवार के बीच कुछ गलतफहमियां या टकराव हो जाता है, जो गुस्से का कारण बनता है। ऐसे में बात करके गिले-शिकवे दूर करें। बात करने से आपसी गलतफहमी भी दूर होगी और सब सामान्य हो जाएगा।

परिस्थितियों को स्वीकारें : कई बार ऐसी स्थितियां होती हैं, जिनसे न हम आगे बढ़ पाते हैं और न उन्हें बदल सकते हैं। ऐसे में धीरे-धीरे मन में खीझ उत्पन्न होने लगती है। इसलिए आवश्यक है कि उन परिस्थितियों को स्वीकार किया जाए। उनसे भागने और परेशान होने की बजाए कारणों को स्वीकारें और जिंदगी में आगे बढ़ें।

भागादौड़ी से बचें : रोडवेज की कितनी ही घटनाएं आए दिन होती रहती हैं। गुस्से के भयानक परिणाम ऐसी घटनाओं में नजर आते हैं। अक्सर होता ये है कि हम जल्दी में घर से निकलते हैं। रास्ते में जाम लगने या किसी गाड़ी या पैदल यात्री के कारण जरा सा भी लेट हो जाएं तो चिंता बढ़ जाती है, जो गुस्से के रूप में बाहर निकलती है। इसलिए जहां भी जाएं, थोड़ा जल्दी घर से निकलें।

बेहतर है कहीं जाना : गुस्सा रोकने के लिए आवश्यक है कि ध्यान कहीं और लगाएं। जब गुस्सा आ रहा हो तो उस जगह से चले जाएं। वहां रहेंगे तो गुस्सा और बढ़ेगा। वहां से चले जाने पर ध्यान झगड़े से हट जाएगा।

गहरी सांस लें

गुस्से के वक्त कहीं दूर जाकर लंबी गहरी सांसें लें। शरीर में सांस के अंदर-बाहर जाने की प्रक्रिया को महसूस करें। इससे आपका ध्यान गुस्से से हटकर सांस लेने पर चला जाएगा, जिससे गुस्सा कम हो जाएगा। इसके अलावा 1 से लेकर 10 तक गिनती भी गिन सकते हैं।

ऊर्जा का उचित उपयोग : गुस्सा आने पर शरीर में हार्मोन्स में कई बदलाव होते हैं, जिनसे शरीर लड़ने के लिए एकदम तैयार हो जाता है। उस समय शरीर में उत्पन्न ऊर्जा को लड़ाई में न लगाकर किसी अन्य काम में लगाएं। जैसे घूमने निकलें, व्यायाम करें, डांस करें, बास्केट बॉल या घर पर बॉक्सिंग करें, या कुछ अन्य काम। इससे ऊर्जा इन कामों के जरिए बाहर निकल आएगी और गुस्सा अपने आप कम हो जाएगा।

बात न करें : गुस्सा आने पर कोशिश करें कि किसी से भी बात न हो। भीड़-भाड़ वाली जगह पर न जाएं। इससे आपका गुस्सा कुछ समय बाद अपने आप समाप्त हो जाएगा।

परिणामों पर सोचें : गुस्से में कोई कदम उठाने के बाद उसके परिणाम भी भुगतने पड़ जाते हैं। इसलिए गुस्से में कुछ करने से पहले बाद में होने वाले परिणामों के बारे में सोचने की कोशिश करें।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

सिडनी में लॉकडाउन 20वें दिन भी जारी लॉकडाउन

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के सबसे अधिक आबादी वाले शहर सिडनी ने देश में इस साल के सबसे बड़े कोविड-19 प्रकोप के बीच गुरुवार को जारी सख्त लॉकडाउन के 20वें दिन में प्रवेश किया। समाचार एजेंसी के मुताबिक गुरुवार को न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) राज्य, जिसमें सिडनी राजधानी है, ने 65 नए स्थानीय कोविड -19 मामले दर्ज किए, जिनमें से 28 समुदाय के भीतर प्रसारित किए गए। कुल मिलाकर, न्यू साउथ वेल्स में 16 जून को प्रकोप शुरू होने के बाद से स्थानीय रूप से अधिग्रहित 929 मामले दर्ज किए गए हैं। इस बीच, नए प्रकोप पर अंकुश लगाने का कठोर प्रयास एक विवादास्पद रूप से लंबा रास्ता तय करना है क्योंकि एनएसडब्ल्यू प्रीमियर ग्लेडिस बेरेजिकेलियन ने बुधवार को घोषणा की कि ग्रेटर सिडनी क्षेत्र (जीएसआर) में कम से कम दो और हफ्तों तक तालाबंदी जारी रहेगी। इसका मतलब यह है कि जीएसआर के भीतर 53 लाक से अधिक लोगों को कम से कम 30 जुलाई तक घर में रहना चाहिए और केवल खरीदारी, चिकित्सा देखभाल या आवश्यक कार्य जैसे सख्त कारणों के लिए अपने सामने के दरवाजे से बाहर निकलना चाहिए। मास्क लगाना अनिवार्य है।

फिलीपींस अब इंडोनेशिया के यात्रियों पर प्रतिबंध लगाएगा

मनीला। फिलीपींस के राष्ट्रपति के प्रवक्ता हैरी रोक ने कहा है कि शुक्रवार से फिलीपींस अत्यधिक संक्रामक डेल्टा कोविड वैरिएंट के प्रसार को रोकने के लिए इंडोनेशिया के सभी यात्रियों पर 31 जुलाई तक प्रतिबंध लगाएगा। समाचार एजेंसी ने रोके के हवाले से एक बयान में कहा, राष्ट्रपति रोड्रिगो दुतेर्ते ने फिलीपींस आने से पहले पिछले 14 दिनों के भीतर इंडोनेशिया से आने वाले या इंडोनेशिया की यात्रा से आने वाले सभी यात्रियों के लिए यात्रा प्रतिबंधों को लागू करने की मंजूरी दे दी है। रोके ने कहा है, फिलीपींस में कोविड वेरिएंट के आगे फैलाव और सामुदायिक फैलाव को रोकने के लिए यह कार्रवाई की गई है। फिलीपींस द्वारा प्रतिबंधित देशों की सूची में इंडोनेशिया को शामिल करने से आठ देशों की सूची आती है। भारत, पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका, ओमान और संयुक्त अरब अमीरात के यात्रियों को भी 31 जुलाई तक देश में प्रवेश करने की अनुमति नहीं है। फिलीपींस ने 19 यात्रियों के लौटने वाले फिलिपिनो से लिए गए सैंपल से डेल्टा वेरिएंट का पता लगाया है।

ईरान 90 प्रतिशत संवर्धित यूरेनियम का उत्पादन करने में सक्षम : रूहानी

तेहरान। निवर्तमान ईरानी राष्ट्रपति हसन रूहानी ने कहा कि देश 90 प्रतिशत शुद्धता वाले समृद्ध यूरेनियम का उत्पादन करने में सक्षम है। समाचार एजेंसी ने बुधवार को एक कैबिनेट बैठक में रूहानी के हवाले से कहा था कि परमाणु प्रौद्योगिकी के शांतिपूर्ण उपयोग को आगे बढ़ाते हुए, ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन ने उच्च डिग्री (शुद्धता) पर समृद्ध यूरेनियम का उत्पादन करने की अपनी क्षमता और शक्ति दिखाई है। उन्होंने कहा, अगर एक दिन में रिएक्टर के लिए 90 प्रतिशत (समृद्ध यूरेनियम) की आवश्यकता होती है, तो हमें शांतिपूर्ण तरीके से ऐसा करने में कोई समस्या नहीं है। रूहानी ने कहा कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दबाव भी ईरान के शांतिपूर्ण परमाणु कार्यक्रम की प्रगति को नहीं रोक सका। अप्रैल में नटान्ज संवर्धन सुविधा पर एक ब्लैकआउट के बाद, ईरान ने इजराइल पर परमाणु साइट क्षतिग्रस्त करने का आरोप लगाया और घोषणा की कि उसने 60 प्रतिशत शुद्धता से समृद्ध यूरेनियम का उत्पादन शुरू कर दिया है।

कौन है हैती के प्रेसिडेंट का हत्यारा? अब वेनेजुएलाई कारोबारी पर लगा हत्या की साजिश का आरोप

पोर्ट ऑ प्रिंस (हैती)। हैती पुलिस प्रमुख ने फ्लोरिडा की एक सुरक्षा कंपनी के मालिक वेनेजुएलाई कारोबारी पर आरोप लगाया है कि वह राष्ट्रपति जोवेनेल मोइसे की हत्या की साजिश के तहत कई बार हैती आया। हैती के राष्ट्रपति मोइसे की पिछले सप्ताह हत्या कर दी गई थी। हैती की राष्ट्रीय पुलिस के प्रमुख लियोन चार्ल्स ने कहा कि 'सीटीयू सिक्योरिटी' के एंटोनियो इंट्रिआगो ने हैती में एक करार किया, लेकिन उन्होंने कोई और जानकारी नहीं दी तथा किसी सबूत के बारे में नहीं बताया। चार्ल्स ने कहा, ''जांच काफी आगे पहुंच चुकी है।'' इस संबंध में इंट्रिआगो से तत्काल बात नहीं हो सकी। कोलंबिया के राष्ट्रीय पुलिस प्रमुख ने कहा कि सीटीयू सिक्योरिटी ने हत्या में कथित रूप से शामिल कोलंबियाई संदिग्धों के लिए बोगोटा से सैंटो डोमिन्गो तक विमान के 19 टिकट खरीदने के लिए अपनी कंपनी के क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल किया। चार्ल्स ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन के दौरान हैती नागरिकों से अपील की कि वे फरार संदिग्धों का पता लगाने में अधिकारियों की मदद करें। इन फरार संदिग्धों में एक पूर्व सीनेटर भी शामिल है, जिसे चार्ल्स ने अहम संदिग्ध बताया और वह सात जुलाई को हुए हमले में इस्तेमाल किए गए हथियारों को मुहैया कराने का आरोपी है। संदिग्ध सीनेटर जॉन जोएल जोसफ हैती के जाने माने नेता हैं और मोइसे की टेट काले पार्टी के विरोधी हैं। यूट्यूब पर पिछले साल पोस्ट किए गए वीडियो में जोसफ ने मोइसे की तुलना कोरोना वायरस से की थी और कहा था कि उनके प्रशासन में देशवासी भूख और हिंसा के कारण मारे जा रहे है। चार्ल्स ने कहा, ''हम इन हत्यारों की तलाश कर रहे हैं और वे जहां कहीं भी हों, हमें उन्हें पकड़ना होगा, गिरफ्तार करना होगा और उन्हें न्याय के कठघरे में लाना होगा।' पुलिस प्रमुख ने बताया कि ''हैती की आजादी और पुनर्गठन'' के लिए 'नेशनल रेवोल्यूशनरी फ्रंट' नामक विद्रोही समूह का नेतृत्व करने वाले गिल्बर्ट ड्रैगन को गिरफ्तार कर लिया गया है। प्राधिकारियों ने बताया कि उसके घर से कई हथियार बरामद किए गए हैं। इसके अलावा अधिकारियों ने हैती नागरिक रेनाल्डो कोविंगटन को गिरफ्तार किया, जिस पर संदिग्धों को रहने की जगह देने और उनकी मदद करने का आरोप है।

एससीओ मीटिंग में चीन के विदेश मंत्री ने जयशंकर से कहा- एलएसी विवाद का समाधान खोजने के लिए तैयार!

बीजिंग।(एजेंसी)।

बीजिंग। भारत ने चीन को स्पष्ट संदेश दिया कि पूर्वी लद्दाख में मौजूदा स्थिति के लंबे समय तक बने रहने के कारण द्विपक्षीय संबंध स्पष्ट रूप से ''नकारात्मक तरीके'' से प्रभावित हो रहे हैं, जिसके बाद चीन ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह उन मामलों का ''आपस में स्वीकार्य समाधान'' खोजने के लिए तैयार है, जिन्हें वार्ता के जरिए ''तुरंत सुलझाए'' जाने की आवश्यकता है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दुशांबे में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के एक सम्मेलन के इतर एक घंटे तक चली बैठक के दौरान अपने चीनी समकक्ष वांग यी से कहा कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर यथास्थिति में कोई भी एकतरफा बदलाव भारत को स्वीकार्य नहीं है और पूर्वी लद्दाख में शांति की पूर्ण बहाली के बाद ही संबंध समग्र रूप से विकसित हो सकते हैं। ताजिकिस्तान की राजधानी में यह बैठक ऐसे समय में हुई है, जब पूर्वी लद्दाख में टकराव के शेष बिंदुओं पर दोनों सेनाओं के बीच बलों को पीछे हटाने की प्रक्रिया में गतिरोध बना हुआ है। इससे पहले पिछले साल मई के बाद से जारी गतिरोध को सुलझाने के लिए की गई सैन्य एवं राजनीतिक वार्ताओं के बाद फरवरी में पैंगोंग झील क्षेत्रों से दोनों सेनाओं ने अपने हथियार एवं बल पीछे हटा लिए थे।

चीन के विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को अपनी बेवसाइट पर जयशंकर और वांग के बीच हुई वार्ता के संबंध में पोस्ट किए गए बयान में बताया कि मंत्री ने कहा कि भारत और चीन के संबंध ''निचले स्तर पर'' बने हुए हैं, जबकि गलवान घाटी एवं पैंगोंग झील से बलों की वापसी के बाद सीमा पर हालात ''आमतौर पर सुधर'' रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद चीन और भारत के संबंध अब भी ''निचले स्तर'' पर हैं, जो ''किसी के हित'' में नहीं है। चीन ने अपने पुराने रुख को दोहराया कि वह अपने देश से लगी भारत की सीमा पर स्थिति के लिए जिम्मेदार नहीं है। वांग ने कहा, ''चीन उन मामलों का आपस में स्वीकार्य समाधान खोजने के लिए तैयार है, जिन्हें भारतीय पक्ष के साथ वार्ता एवं विचार-विमर्श के जरिए तत्काल सुलझाए जाने की आवश्यकता है।'' चीन ने गलवान घाटी और पैंगोंग त्सो से अपने सैनिकों को पीछे हटा लिया है, लेकिन पूर्वी लद्दाख में हॉट स्प्रिंग्स, गोगरा और देपसांग जैसे टकराव के अन्य क्षेत्रों से बलों को हटाने की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है।

जयशंकर ने वांग के साथ बैठक में स्पष्ट रूप से कहा कि पूर्वी लद्दाख में मौजूदा स्थिति के लंबा खिंचने से द्विपक्षीय संबंधों पर स्पष्ट रूप से ''नकारात्मक असर'' पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि फरवरी में पैंगोंग झील क्षेत्रों से बलों को पीछे हटाए जाने के बाद से चीनी पक्ष की ओर से स्थिति को सुधारने में कोई प्रगति नहीं हुई है। जयशंकर ने वांग से कहा कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर यथास्थिति में कोई भी एकतरफा बदलाव भारत को स्वीकार्य नहीं है और पूर्वी लद्दाख में शांति की पूर्ण बहाली के बाद ही संबंध समग्र रूप से विकसित हो सकते हैं। चीनी विदेश मंत्रालय के बयान में बताया गया कि वांग ने ''तत्काल समाधान की आवश्यकता वाले मामलों'' के आपस में स्वीकार्य समाधान के लिए वार्ता करने पर सहमति जताई और कहा कि दोनों पक्षों को सीमा संबंधी मामले को द्विपक्षीय संबंधों में उचित स्थान पर रखना चाहिए और द्विपक्षीय सहयोग के सकारात्मक पहलुओं को विस्तार देकर वार्ता के जरिए मतभेदों के समाधान के अनुकूल माहौल पैदा करना चाहिए। उन्होंने कहा, ''बलों के पीछे हटने के कारण मिली उपलब्धियों को आगे बढ़ाना, दोनों पक्षों के बीच बनी सर्वसम्मति एवं समझौते का सख्ती से पालन करना, संवेदनशील विवादास्पद क्षेत्रों में कोई एकतरफा कदम उठाने से बचना और गलतफहमी के कारण पैदा हुए हालत को फिर से पैदा होने से रोकना महत्वपूर्ण है।''वांग ने कहा, ''हमें दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है, हमें आपात प्रबंधन से सामान्य सीमा प्रबंधन एवं नियंत्रण तंत्र में स्थानांतरण की आवश्यकता है और हमें सीमा संबंधी घटनाओं को द्विपक्षीय संबंधों में अनावश्यक व्यवधान पैदा करने से रोकने की

आवश्यकता है।'' उन्होंने कहा, ''चीन-भारत संबंधों पर चीन के रणनीतिक रुख में कोई बदलाव नहीं हुआ है। चीन-भारत संबंध एक-दूसरे के लिए खतरा नहीं, बल्कि एक-दूसरे के विकास का अवसर होने चाहिए। दोनों देश साझेदार हैं, वे प्रतिद्वंद्वी और दुश्मन नहीं हैं।'' वांग ने कहा, ''चीन-भारत संबंधों के सिद्धांत संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के प्रति आपसी सम्मान, गैर-आक्रामकता, एक दूसरे के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना और एक दूसरे के हितों के प्रति आपसी सम्मान पर आधारित होने चाहिए।'' उन्होंने कहा कि चीन और भारत के बीच बातचीत के तरीके में सहयोग, पारस्परिक लाभ और पूरकता, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और टकराव से बचने पर मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। वांग ने कहा कि चीन और भारत आज अपने-अपने क्षेत्रों और बड़े पैमाने पर दुनिया में शांति और समृद्धि के लिए अधिक महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें अपने साझा रणनीतिक हितों पर अधिक ध्यान देना चाहिए और दोनों देशों के लोगों को अधिक लाभ पहुंचाना चाहिए। सितंबर 2020 में मास्को में हुई अपनी पिछली बैठक को याद करते हुए जयशंकर ने उस समय हुए समझौते का पालन करने और बलों की वापसी की प्रक्रिया को पूरा करने तथा पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर शेष मुद्दों को जल्द से जल्द हल करने की आवश्यकता पर जोर दिया। सैन्य अधिकारियों के अनुसार, वर्तमान में संवेदनशील क्षेत्र में हर पक्ष के एलएसी के पास लगभग 50,000 से 60,000 सैनिक तैनात हैं।

दक्षिण अफ्रीका में जुलू राजा ने भारतवंशियों के खिलाफ हिंसा रोकने की अपील की

जोहानिसबर्ग। जुलू राजा मिसुजुलू काज्वेलिथिनी ने क्वाजुलू नटाल प्रांत के लोगों से भारतीय मूल के लोगों के साथ शांति से रहने की अपील की है। दक्षिण अफ्रीका में रहने वाले 14 लाख भारतवंशियों में से एक तिहाई लोग इसी प्रांत में रहते हैं। लगातार छठे दिन बुधवार को हिंसा और लूटपाट की घटनाओं के बाद राजा ने टेलीविजन के जरिए संबोधन में कहा, ''जुलू में स्थानीय लोगों और भारतवंशियों के बीच जो कुछ भी हो रहा है, उसे तत्काल खत्म करना चाहिए।''

सशस्त्र गिरोहों ने देश के कई हिस्सों में खासकर डरबन में भारतीय मूल के लोगों की फैक्टरियों, दुकानों में तोड़फोड़ की। मिसुजुलू काज्वेलिथिनी ने कहा, ''हमारे भारतीय भाई हमारे पड़ोसी हैं और भारत के बाहर क्वाजुलू नटाल में भारतवंशियों की दूसरी सबसे बड़ी आबादी है।''पूर्व राष्ट्रपति जैकब जुमा को जेल की सजा के बाद देश में हिंसा की घटनाएं शुरू हुई। जुमा भी जुलू मूल के हैं। बाद में यह हिंसा और भड़क गयी और राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने पुलिस और सेना की तैनाती की। देश की शीर्ष अदालत ने जुमा को 15 महीने जेल की सजा सुनायी थी। सरकारी सुरक्षा एजेंसियों और मंत्रियों ने कहा है कि हिंसा और लूटपाट की घटनाओं का जुमा की सजा से कोई जुड़ाव नहीं है बल्कि कुछ गुट निहित हित के कारण इसमें संलिप्त हैं।

केरी और पुतिन ने जलवायु मुद्दों पर सहयोग करने के महत्व पर जोर दिया

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिकी विदेश विभाग ने बताया है कि जलवायु के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति के विशेष दूत जॉन केरी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक फोन कॉल के दौरान जलवायु मुद्दों पर सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला।

विभाग ने एक बयान में कहा गया कि बुधवार को कॉल के दौरान, केरी ने जोर देकर कहा, अमेरिका और रूस की महत्वपूर्ण भूमिकाएँ हैं, जिसमें इस महत्वपूर्ण दशक में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना, लंबी अवधि में शुद्ध-शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य, कोयले से उत्सर्जन को समाप्त करना और काम करना शामिल है। बयान में यह भी कहा गया है कि पुतिन अंतर्राष्ट्रीय जलवायु प्रयासों को फिर से करने की आवश्यकता के बारे में सहमत हुए और अन्य कार्यों के साथ वन क्षेत्र सहित अपने स्वयं के उत्सर्जन को संबोधित करने के लिए रूस का इस बारे में क्या इरादा है, उसकी पुष्टि की। विभाग ने नोट किया कि केरी और पुतिन ने हाल ही में मौसम की घटनाओं और अन्य जलवायु प्रभावों के साथ-साथ कार्य करने की तात्कालिकता को भी पहचाना है। उन्होंने ग्लासगो, यूके में एक सफल सीओपी 26 की दिशा में काम करने के महत्व की भी पुष्टि की, जो 31 अक्टूबर और 12 नवंबर के बीच होने वाला है। क्रेमलिन प्रेस सेवा ने कहा कि पुतिन ने जोर देकर कहा है कि रूस के लिए पेरिस समझौते के लक्ष्यों को प्राप्त करना बहुत जरूरी है, इसलिए वह क्षेत्र में एक गैर-राजनीतिक और पेशेवर बातचीत का आवाहन करता है केरी सोमवार को तीन दिवसीय यात्रा पर मास्को पहुंचे थे।

अमेरिका में फिर बढ़ रहा कोरोना का कहर, तीन हफ्तों में दोगुना हुए मामले

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका में कोविड-19 के मामलों में गिरावट के महीनों बाद फिर से वृद्धि देखी जा रही है और पिछले तीन हफ्तों में हर दिन नए मामलों की संख्या दुगुनी हो रही है। इसके पीछे तेजी से फैल रहा डेल्टा स्वरूप, टीकाकरण की कम दर और अमेरिका में स्वतंत्रता दिवस पर एकत्रित हुई भीड़ वजह है। जॉन्स हॉप्किन्स विश्वविद्यालय के आंकड़ों के अनुसार, सोमवार को एक दिन में संक्रमण के मामलों की संख्या में 23,600 की वृद्धि हुई जबकि 23 जून को यह 11,300 तक थी। दो राज्यों मेन तथा दक्षिण डकोटा में पिछले दो हफ्तों में संक्रमण के मामले बढ़े हैं। वाशिंगटन विश्वविद्यालय के सेंट लुइस में स्कूल ऑफ मेडिसिन के संक्रामक रोग प्रभाग के सह-निदेशक डॉ. बिल पाउडरली ने कहा, ''यह कोई संयोग नहीं है जब स्वतंत्रता दिवस के सप्ताहांत के बाद ठीक उसी वक्त हम मामले बढ़ते हुए देख रहे हैं जब हमें ऐसा होने की उम्मीद थी।''

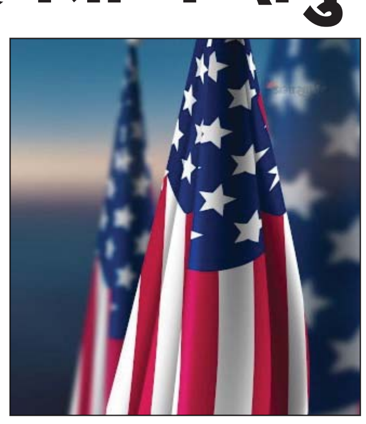

रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र के अनुसार, जिन पांच राज्यों में दो हफ्तों में कोरोना वायरस के मामले सबसे अधिक बढ़े हैं वहां टीकाकरण की दर कम हैं। ये पांच राज्य मिसौरी (45.9 प्रतिशत), अरकंसास (43 प्रतिशत), नेवेडा (50.9 प्रतिशत), लुइसियाना (39.2 प्रतिशत) और उटाह (49.5 प्रतिशत) है। संक्रमण के मामले बढ़ने के बीच लॉस एंजिलिस काउंटी और सेंट लुइस जैसे स्थानों पर स्वास्थ्य प्राधिकारी टीका लगवा चुके लोगों से भी सार्वजनिक स्थानों पर फिर से मास्क पहनने की अपील कर रहे हैं।

शिकागो के अधिकारियों ने मंगलवार को एलान किया कि मिसौरी और अरकंसास से आने वाले उन लोगों को 10 दिन के लिए पृथक वास करना होगा या कोविड-19 से संक्रमित न पाए जाने की जांच रिपोर्ट दिखानी होगी, जिन्होंने टीका नहीं लगवाया है। इस बीच, मिसीसिप्पी में स्वास्थ्य विभाग ने वायरस और टीकों के बारे में ''बढ़ती गलत सूचना'' के कारण अपने फेसबुक पेज पर कोविड-19 के बारे में पोस्ट ब्लॉक करने शुरू कर दिए हैं। मिसीसिप्पी के अधिकारी 65 तथा उससे अधिक आयु के लोगों को घरों के भीतर बड़ी सभाओं से बचने की भी सलाह दे रहे हैं क्योंकि पिछले तीन हफ्तों में अस्पतालों में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या 150 फीसदी तक बढ़ी है। लुइसियाना के स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि कोरोना वायरस के मामले उन लोगों में ज्यादा बढ़ रहे हैं जिन्होंने टीके नहीं लगवाए हैं।

10 दिनों से ब्राजील के राष्ट्रपति की रुक नहीं रही हिचकियां, सर्जरी की जरूरत नहीं!

रियो डी जेनेरियो। (एजेंसी)।

ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो को पिछले 10 दिन से लगातार हिचकियां आने के बाद जांच के लिए बुधवार को एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों का कहना है कि यह अंतड़ियों में कुछ परेशानियों की वजह से हो रहा है और इसके लिए सर्जरी करने की जरूरत पड़ सकती है, लेकिन बाद में उन्होंने तत्काल सर्जरी ना करने की बात कही। राष्ट्रपति कार्यालय ने शुरुआती बयान में कहा था कि बोलसोनारो (66) को राजधानी ब्रासीलिया के 'आर्म्ड फोर्सेस हॉस्पिटल' में भर्ती कराया गया था और ''वह बेहतर महसूस'' कर रहे हैं। चिकित्सक उनकी हिचकियों की समस्या का इलाज कर रहे हैं। लेकिन कुछ घंटे बाद एक अन्य बयान में कार्यालय ने कहा कि 2018 में राष्ट्रपति चुनाव के प्रचार अभियान के दौरान बोलसोनारो के पेट पर वार किए जाने के बाद उनका इलाज करने वाले सर्जन ने उन्हें साओ पाओलो में भर्ती कराने का फैसला किया है। वहां उनकी और जांच की जाएंगी।

'हॉस्पिटल नोवा स्टार' ने बुधवार रात एक बयान में कहा कि राष्ट्रपति का 'कन्जर्वेटिव क्लिनिकल ट्रीटमेंट' (गैर शल्य चिकित्सा उपचार) चल रहा है, इसका मतलब है कि अभी उनकी सर्जरी नहीं करनी पड़ेगी। बोलसोनारो ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर अपनी अस्पताल की एक तस्वीर भी साझा की, जिसमें वह अस्पताल के 'बेड' पर लेटे हुए नजर आ रहे हैं। काले धार्मिक वस्त्र पहने और गले में सोने के क्रॉस के साथ लंबी चेन पहने एक व्यक्ति ने उनके कंधे पर हाथ रखा है, उस व्यक्ति का चेहरा तस्वीर में नहीं दिख रहा। राष्ट्रपति कैथलिक और इवेंजेलिकल दोनों हैं। बोलसोनारो पर 2018 में हुए हमले में उनकी आंतों में चोट आई थी और तभी से उनकी कई सर्जरी की गई हैं। हाल ही में कई कार्यक्रमों में उन्हें बोलने में परेशानी का सामना करते हुए भी देखा गया। 'रेडियो गुएबा' को सात जुलाई को दिए एक साक्षात्कार में राष्ट्रपति ने कहा था, '' जो लोग मुझे सुन रहे हैं मैं उनसे माफी चाहता हूं क्योंकि मुझे पिछले पांच दिन से हिचकियां आ रही हैं।

जनरल स्कॉट मिलर अफगानिस्तान से लौटे, मिशन अभी खत्म नहीं हुआ है : अमेरिकी रक्षा मंत्री

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में अमेरिकी सेना के कमांडर जनरल स्कॉट मिलर सबसे लंबे अमेरिकी युद्ध को लगभग खत्म करके स्वदेश लौट आए हैं। बहरहाल, रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने आश्वासन दिया कि अमेरिका का अफगान मिशन अभी खत्म नहीं हुआ है और वह काबुल का सहयोग करता रहेगा। ऑस्टिन ने अफगानिस्तान में तीन साल की तैनाती के बाद लौटने पर पेंटागन में मिलर का स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने कहा, ''स्कॉट और उनका स्टाफ अब स्वदेश में हैं और हम उनकी सुरक्षित वापसी के लिए आभारी हैं। लेकिन अफगानिस्तान में हमारा मिशन अभी पूरा नहीं हुआ है।

सेना की मौजूदगी कम होती रहेगी और अगस्त के अंत तक सेना पूरी तरह वापस बुला ली जाएगी।'' उन्होंने कहा कि रक्षा विभाग अफगानिस्तान में अपनी राजनयिक मौजूदगी बनाए रखने, अफगान राष्ट्रीय रक्षा और सुरक्षा बलों को वित्त पोषण देने, अफगान सुरक्षा मंत्रालयों को सलाह देने तथा हिंसक चरमपंथी संगठनों को फिर से उभरने से रोकने के लिए प्रतिबद्ध है। ऑस्टिन ने कहा, ''हम विदेश विभाग के साथ मिलकर उन अफगान नागरिकों तथा उनके परिवारों के पुनर्वास पर भी काम करेंगे जिन्होंने हमारे मिशन में सेवा दी। हम उनके प्रति अपने कर्तव्य को गंभीरता से लेते हैं और हम उनके योगदान का सम्मान करते हैं।'' रक्षा मंत्री ने कहा, ''हम 20 साल से अधिक वक्त तक वहां रहे, हम उन लोगों की सेवा और बलिदान को सम्मान देते रहेंगे जिन्होंने मैदान पर इतना साहस दिखाया। उन्होंने और उनके परिवारों ने हमारी तरफ से काफी संघर्ष किया। कई मायनों से वे अब भी ऐसा कर रहे हैं। 9/11 के बाद से अफगानिस्तान से हम पर हमला नहीं हुआ, इसलिए अफगान सरकार के पास इस प्रगति को आगे ले जाने का मौका है और अफगान सेना के पास अब ऐसी क्षमताएं है जिनकी उन्हें अपने लोगों की रक्षा के लिए आवश्यकता है।'' गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने अफगानिस्तान से अपनी सेना 11 सितंबर तक वापस बुलाने के निर्देश दिए हैं। पेंटागन इससे पहले ही इस लक्ष्य को पूरा कर सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पास नेता अल्पेश कथीरिया जेल से रिहा, हार्दिक पटेल ने सरकार निर्दोषों पर फर्जी केस कर रही है

क्रांति समय दैनिक

सूरत,गुजरात हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद पाटीदार आरक्षण आंदोलन (पास) नेता अल्पेश कथीरिया को आज जेल से रिहा कर दिया। जेल से रिहा हुए अल्पेश कथीरिया का स्वागत करने गुजरात कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष हार्दिक पटेल समेत कई पास नेता पहुंचे। इस मौके पर हार्दिक पटेल ने कहा कि सरकार को निर्दोष लोगों पर फर्जी केस करने से बाज आना चाहिए। सूरत महानगर पालिका चुनाव के दौरान अल्पेश कथीरियाके खिलाफ रायोटिंग का मामला दर्ज किया था। अल्पेश की अगुवाई में 50 से 60 बाइक और कार में आए 150 से 200 जितने लोगों ने बीटीपी कार्यकर्ता द्वारा वीडियो बनाए जाने पर पास कार्यकर्ताओं ने मारुति वैन में बैठे बीटीपी कार्यकर्ता से मारपीट की थी और जाति विषय शब्दों का उपयोग किया था। साथ ही 3000 रुपए की लूट समेत मारुति वैन के शीशे तोड़ जान से मारने धमकी दी थी। इस संदर्भ में कामरेज पुलिस थाने में अल्पेश कथीरिया समेत अन्य लोगों के खिलाफ

एट्रोसिटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। जिसके बाद पुलिस ने अल्पेश कथीरिया को गिरफ्तार कर लिया था। गुजरात हाईकोर्ट से सशर्त जमानत मिलने के बाद सूरत के लाजपोर जेल से अल्पेश कथीरिया को आज रिहा कर दिया गया। अल्पेश कथीरिया का स्वागत करने प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी प्रमख हार्दिक पटेल, आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता समेत पाटीदार बड़ी संख्या में लाजपोर जेल के बाहर जमा हुए थे। इस मौके पर हार्दिक पटेल ने सरकार पर कड़े प्रहार करते हुए कहा कि अल्पेश कथीरिया का स्वागत करने और उनका उत्साह बढ़ाने में हम यहां आए हैं।

सरकार सत्ता को दुरुपयोग कर निर्दोष लोगों को जेल भेज रही है। सरकार की ऐसी कार्यवाही से राज्य का माहौल बिगड़ सकता है और लोगों का सत्ता से भरोसा खत्म हो जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार फर्जी केस कर लोगों को दबाने का प्रयास कर रही है। जबकि स्वस्थ लोकतंत्र में प्रत्येक को सत्ता के खिलाफ बोलने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि अल्पेश कथीरिया काफी समय से जनता की आवाज बुलंद करने का प्रयास कर रहे हैं।

दूसरे आदमी के साथ भागने की भयानक सजा

क्रांति समय दैनिक

दाहोद ,गुजरात के दाहोद जिले से दिल दहला देने वाली एक घटना सामना आई है जहां एक पति ने लव अफेयर के चलते अपनी पत्नी को गांव में कपड़े उतरवाकर चलवाया और उसके साथ मारपीट की। पुलिस ने बुधवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बता दें कि इस घिनौने अपराध में पीड़िता के पति के साथ कई रिश्तेदार भी शामिल थे जिन्होंने महिला के साथ अत्याचार किया। पुलिस ने कहा कि पति की सहायता करने के आरोप में कम-से-कम 18 अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह घटना तब सामने आई जब एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वीडियो में पति और उसके रिश्तेदार महिला के साथ अत्याचार करते हुए दिखाई दे रहे थे। यह घटना दाहोद जिले के आदिवासी बहुल धनपुर तालुका में 6 जुलाई को हुई थी। कथित वीडियो वायरल होने के बाद यह घटना सामने आई थी। पुलिस ने कहा कि वायरल वीडियो में महिला का पति, अन्य ग्रामीणों के साथ अपनी पत्नी को सार्वजनिक रूप से घसीटते, मारते और निर्वस्त्र करते हुए दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि सजा के तौर पर पीड़िता को अपने पति को कंधों पर उठाकर चलने के लिए भी मजबूर किया गया। पीड़िता हाल ही में एक अन्य व्यक्ति के साथ भाग गई। उसके पति और अन्य ग्रामीणों ने जल्दी से दोनों का पता लगाया और उन्हें गांव ले आए।

6 जुलाई को, सजा के रूप में उसे पूरे सार्वजनिक दृश्य में आघात पहुँचाया गया। हमने वीडियो में देखे गए सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

सूरत के अडाजण में पुलिस की पीसीआर जीप ने दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी और पलट गई

क्रांति समय दैनिक

सूरत के अडाजण इलाके में गश्त के लिए खड़ी पुलिस की जीप को दोपहिया वाहन ने तीन बार टक्कर मार दी. चर्चा चल रही है कि पुलिस जीप का ड्राइवर नशे में है और उसे बचाने के लिए पूरे मामले को

दबा दिया गया है। हालांकि पता चला है कि हादसे में वाहन चालक को गंभीर चोटें आई हैं। हालांकि पीसीआर जीप भी काफी क्षतिग्रस्त पाई गई। घायल युवक को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सार–समाचार

पेरोल जम्प कर फरार आरोपी एक साल बाद कानून के शिकंजे में

अहमदाबाद ,शहर की नरोडा पुलिस ने एक साल से पेरोल जम्प कर फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूर्व सूचना के आधार पर नरोडा पुलिस ने आरोपीको नरोडा स्मशान के निकट से दबोच लिया। जानकारी के मुताबिक पूर्वी अहमदाबाद के नरोडा पुलिस गश्त पर थी। उस वक्त पुलिस को सूचना मिली कि पेरोल मिलने के बाद पिछले एक साल से फरार आरोपी 32 वर्षीय हरेश कानजी सोलंकी नरोडा स्मशान के निकट आनेवाला है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने स्मशान के आसपास निगरानी बढ़ा दी। जैसे आरोपी हरेश सोलंकी स्मशान के निकट पहुंचा पुलिस ने उसे दबोच लिया। पुलिस ने जरूरी कार्रवाई कर आरोपी हरेश को साबरमती सेंट्रल भेज दिया।

भाजपा का असदुद्दीन ओवैसी को झटका, गोधरा नगर पालिका पर भगवा लहराया

पंचमहल,गुजरात के स्थानीय निकाय चुनाव में पहली बार खाता खोलने वाली एआईएमआईएम को भाजपा ने बड़ा झटका देते हुए पंचमहल की गोधरा नगर पालिका पर कब्जा कर लिया है। निर्दलीयों की मदद से गोधरा नगर पालिका पर काबिज हुई एआईएमआईएम को चार महीने में सत्ता से बाहर होना पड़ा है। इसी साल मार्च महीने में हुए गोधरा नगर पालिका के चुनाव में एआईएमआईएम के 7 सदस्यों ने जीत हासिल की थी। एआईएमआईएम के 7 सदस्यों के साथ सत्ता पर काबिज निर्दलीयों से भाजपा ने आज सत्ता छीन ली है। गोधरा नगर पालिका के मौजूदा प्रमुख संजय सोनी चार सदस्यों के साथ भाजपा में शामिल हो गए। नगर पालिका के प्रमुख समेत चार सदस्यों के भाजपा में शामिल होने से सत्ता पक्ष अल्पमत में आ गया। वहीं भाजपा का संख्या बल 18 से बढ़कर 22 हो गया। निर्दलीयों की आपसी खींचतान का फायदा भाजपा को हुआ और उसने गोधरा नगर पालिका पर भगवा लहरा दिया। बता दें कि गोधरा नगर पालिका में कुल 44 सीटें हैं। मार्च में हुए चुनाव में भाजपा ने 18, निर्दलीयों ने 18, एआईएमआईएम ने 7 और कांग्रेस ने एक सीट पर जीत दर्ज की थी। गुजरात के स्थानीय निकाय चुनाव में पहली बार खाता खोलने वाली एआईएमआईएम ने निर्दलीयों के साथ मिलकर सत्ता पर कब्जा किया था। लेकिन चार महीने में उसे सत्ता से बाहर होना पड़ा।

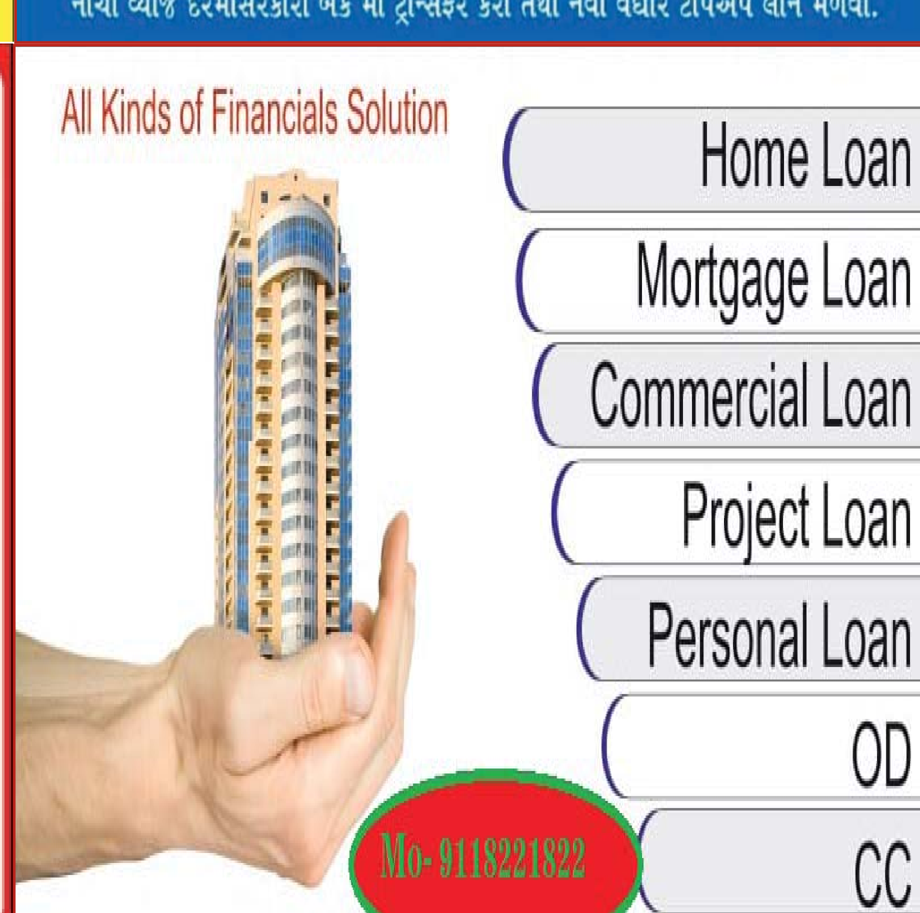

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

श्रीधरन पिल्लई ने ली गोवा के राज्यपाल के रूप में शपथ

पणजी। मिजोरम के पूर्व राज्यपाल पी.एस. श्रीधरन पिल्लई ने गुरुवार को गोवा के नए राज्यपाल के रूप में शपथ ली। केरल में भारतीय जनता पार्टी इकाई के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पिल्लई को बॉम्बे हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता ने पद की शपथ दिलाई। गोवा लगभग एक साल से पूर्ण राज्यपाल के बिना था, महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी अगस्त 2020 से राज्य का प्रभार संभाल रहे थे।

दिल्ली पुलिस ने हबीबुर रहमान को किया गिरफ्तार, पाक को भेजता था भारतीय सेना की अहम जानकारियां

नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने पोखरण में सेना के आधार शिविर में सब्जियों की आपूर्ति करने वाले 34 वर्षीय शख्स को गिरफ्तार किया है। बता दें कि 34 वर्षीय शख्स पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई को जानकारी मुहैया कराने का आरोप है। इस संबंध में दिल्ली पुलिस की स्पेशल क्राइम ब्रांच के अधिकारी प्रवीर रंजन का बयान सामने आया है। उन्होंने बताया कि क्राइम ब्रांच ने ऐसे नेटवर्क का पर्दाफाश किया जो सेना के दस्तावेजों को दूसरे देशों को जासूसों के जरिए भेज रहे थे। राजस्थान के पोखरण में क्राइम ब्रांच ने 41 वर्षीय हबीबुर रहमान के घर छापा मारा और वहां सुरक्षा से जुड़े दस्तावेज मिले। उन्होंने कहा कि हमने हबीबुर को गिरफ़्तार किया। हबीबुर भारतीय सेना में सप्लाई कांट्रेक्टर है। हबीबुर ने पूछताछ में बताया कि सेना का एक जवान परमजीत आगरा में तैनात था वह उससे मिला हुआ था। हबीबुर ने परमजीत को सुरक्षा से जुड़े गुप्त दस्तावेज देने की बात कही।

पर्यटन के नाम पर हुड़दंग और कोरोना बाहक बनकर घूमने वालों पर हो कार्यवाही : कांग्रेस

धर्मशाला। प्रदेश में आए दिन पर्यटन के नाम पर हुड़दंगबाजी हो रही है।तलवारें भांजी जा रही है।स्थानीय लोगों के साथ मारपीट की जा रही है।यह पर्यटन के नाम पर प्रदेश के शांत माहौल को ख़राब किया जा रहा है।ऐसे तत्वों पर कड़ी कार्यवाही करने की आवश्यकता है।सरकार इस बारे में कड़े कदम उठाए।यह मांग प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता दीपक शर्मा ने आज जारी मीडिया ब्यान में प्रदेश सरकार के समक्ष रखी।उन्होंने कहा कि हर रोज़ कुछ असामाजिक तत्व पर्यटकों के नाम पर मारपीट,हो हल्ला कर रहे हैं। इससे न केवल स्थानीय लोगों को परेशानी हो रही है बल्कि प्रदेश का पर्यटन उद्योग भी बदनाम हो रहा है।प्रदेश से बाहर हिमाचल के बारे मे गलत संदेश जा रहा है।यह दुर्भाग्यपूर्ण है।सरकार ऐसे असामाजिक तत्वों पर कड़ी कार्यवाही करके उनको सबक सिखाए।कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि ऐसी सूचनाएं आ रही हैं कि कुछ लोग करोना बाहक बन कर घूम रहे हैं।

दिल्ली में सोनिया गांधी से मिले कमलनाथ, कांग्रेस में दिग्गज नेता को मिल सकती है 'बड़ी भूमिका'

नयी दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ ने बृहस्पतिवार को पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात की। सूत्रों के अनुसार सोनिया के आवास 10 जनपथ पर हुई इस मुलाकात के दौरान कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा भी मौजूद थीं। सूत्रों का कहना है कि इस मुलाकात के दौरान कांग्रेस और मौजूदा राजनीति से जुड़े घटनाक्रमों को लेकर चर्चा हुई है। इस बीच,चर्चा है कि कांग्रेस संगठन में संभावित बदलाव में कमलनाथ को भी कोई महत्वपूर्ण भूमिका दी जा सकती है, हालांकि पार्टी की ओर से इस बारे में आधिकारिक रूप से कुछ नहीं कहा गया है। कमलनाथ ने सोनिया से ऐसे समय मुलाकात की है जब पार्टी की पंजाब इकाई में कलह को दूर करने के लिए कवायद तेज हो गई है और चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने पिछले दिनों पार्टी आलाकमान के साथ लंबी बैठक की।

केजरीवाल का मिशन उत्तराखंड ! सुंदरलाल बहुगुणा को भारत रत्न दिए जाने की मांग की

नई दिल्ली।उत्तराखंड में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर दिल्ली की सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी पूरी ताकत लगा रही है। इन सबके बीच मिशन उत्तराखंड को लेकर अरविंद केजरीवाल लगातार सक्रिय हैं। अरविंद केजरीवाल ने आज सुंदरलाल बहुगुणा को भारत रत्न दिए जाने की मांग कर दी। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि सुंदरलाल बहुगुणा की याद में आज दिल्ली विधानसभा में उनके स्मारक का अनावरण किया गया। सुंदरलाल बहुगुणा ने पर्यावरण के लिए काम किया। इस अवसर पर हम केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री से निवेदन करते हैं कि सुंदरलाल बहुगुणा को भारत रत्न दिया जाए। वहीं केजरीवाल ने उत्तराखंड सरकार द्वारा कांवड़ यात्रा के रद्द किए जाने और उत्तर प्रदेश सरकार शुरू करने पर कहा कि इस वक्त कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए जो भी कदम उठाने की ज़रूरत है, सभी सरकारों को वह कदम उठाने चाहिए। इससे पहले केजरीवाल ने ट्वीट किया था कि उत्तराखंड बिजली का उत्पादन करता है और इसे अन्य राज्यों को बेचता भी है। फिर, उत्तराखंड के लोगों के लिए बिजली इतनी महंगी क्यों है? दिल्ली अपने बूते बिजली नहीं पैदा करती है और दूसरे राज्यों से खरीदती है, बावजूद इसके दिल्ली में बिजली मुफ्त है। उत्तराखंड के लोगों को मुफ्त में बिजली नहीं मिलनी चाहिए?

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 साल, हर गांव तक पहुंचने का लक्ष्य

नई दिल्ली (एजेंसी)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना के 100 साल पूरे हो रहे है। देश के लगभग हर इलाके में संघ अपनी पहुंच बना चुका है। हालांकि कुछ ऐसे इलाके भी हैं जहां पर पहुंच बनाने की कोशिश जारी है। इसी को लेकर चित्रकूट में हुई संघ प्रचारकों की बैठक में चर्चा की गई। 100 साल पूरे होने पर संघ की कोशिश है कि वह देश के हर मंडल तक अपने काम को पहुंचा सके। संघ के मुताबिक कोरोना संकट की वजह से शाखाएं बढ़ाने के काम की रफ्तार में कमी आई है। लेकिन आने वाले दिनों में इसमें तेजी लाने की कोशिश की जाएगी। अपने कामकाज के हिसाब से संघ ने 10 गांवों को मिलाकर एक मंडल बनाया है। ऐसे में संघ हर गांव में पहुंचने की कोशिश कर रहा है।

संघ के हिसाब से देश भर में 58550 मंडल हैं जिनमें से करीब 34000 मंडलों में संघ किसी ना किसी रूप में सक्रिय है। यही कारण है कि संघ की ओर से 2025 तक हर मंडल में पहुंचने की कोशिश की जा रही है। संघ के मुताबिक हर गांव में उनका पहुंचना लक्ष्य है। संघ के अनुसार वह समाज में परिवर्तन लाने के लिए लगातार काम करता है लेकिन उसमें वक्त लगेगा। पर जहां जहां संघ पहुंच चुका है वहां बदलाव की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

लॉकडाउन की वजह से पहले देश भर में जितनी शाखाएं लगती थी उसमें कमी आई है। लेकिन अब उसे एक बार फिर से शुरू करने की कोशिश की जा रही है। कई शाखाओं को वर्चुअली चलाया जा रहा है। लॉकडाउन के दौरान संघ ने देश भर में कुटुंब मिलन भी शुरू किया है। पश्चिम बंगाल में संघ अपनी सक्रियता को बढ़ाने की दिशा में बढ़ सकता है। संघ अभी उन जगहों पर अपने काम को पहुंचाने की ज्यादा कोशिश कर रहा है जहां वह अभी कम पहुंच बना सका है। संघ दक्षिण भारत और पूर्वी भारत में अपने काम को लेकर लगातार सक्रिय है।

साध्वी प्रज्ञा ने घर पर लगवाया वैक्सीन,कांग्रेस बोली– जनता और नेता में फर्क क्यों?

भोपाल। (एजेंसी)।

राजधानी भोपाल से सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर एक बार फिर विवादों से घिर चुकी है। जहां पूरे देश में लोग वैक्सीन सेंटर जाकर टीका लगवा रहे हैं। वहीं सांसद प्रज्ञा ने मेडिकल टीम को घर बुलाकर की कोरोना वैक्सीन लगवा ली। बताया जा रहा है कि प्रज्ञा ने 14 जुलाई को टीका लगवाया था। इसे लेकर मध्यप्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा ने ट्वीट किया, 'अभी कुछ दिन पूर्व ही बास्केटबॉल खेल रहीं व ढोल की थाप पर नृत्य कर रही हमारी भोपाल की सांसद प्रज्ञा ठाकुर ने घर पर टीम बुलाकर वैक्सीन का डोज़ लगवाया? मोदीजी से लेकर शिवराजजी व तमाम भाजपा नेता अस्पताल में जाकर वैक्सीन लगवाकर आये लेकिन हमारी सांसदजी को यह छूट क्यों व किस आधार पर? आपको बता दें कि प्रज्ञा को अक्सर व्हीलचेयर या सहारे से चलते हुए देखा जाता है। लेकिन 1 जुलाई को उन्हें भोपाल में बॉस्केटबॉल खेलते देखा गया था। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था। इस मुद्दे पर भी कांग्रेस ने तंज कसा था। कांग्रेस प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा ने कहा- अभी तक व्हीलचेयर पर ही देखा था, लेकिन आज उन्हें स्टेडियम में बास्केटबॉल पर हाथ आजमाते देखा तो खुशी हुई।

दिग्विजय बोले– गरीबी मिटाओगे तो अपने आप जनसंख्या नियंत्रित हो जाएगी

भोपाल। (एजेंसी)।

देश में जनसंख्या नियंत्रण कानून को लेकर बहस जारी है। उत्तर प्रदेश और असम सरकार ने तो जनसंख्या नियंत्रण को लेकर कई तरह के कानूनों की पैरवी कर दी है। इन सबके बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी शुरू हो गया है। इसी को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने बड़ा बयान दिया है। दिग्विजय सिंह ने गरीबी को जनसंख्या वृद्धि का सबसे बड़ा कारण बताया है।

न्यूज़ एजेंसी के मुताबिक दिग्विजय सिंह ने कहा कि पढ़े लिखे लोगों के 2-3 से ज्यादा बच्चे कहां होते हैं। गरीबी इसका मुख्य कारण है, गरीबी मिटाओगे तो अपने आप जनसंख्या नियंत्रित हो जाएगी। मैंने तो 2000 में ही ये नीति बना दी थी, इन्हें तो 21 साल बाद समझ आ रही है। इससे पहले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा था कि जनसंख्या नियंत्रण सिर्फ कानून बनाकर नहीं बल्कि महिलाओं को पूरी तरह शिक्षित करके ही किया जा सकता है, शिक्षा ही प्रजनन दर को कम करने में सक्षम है।

मुख्यमंत्री योगी बोले, विकास का मॉडल बन चुकी है नई काशी

वाराणसी (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में 1500 करोड़ की परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम में पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में काशी ने दुनिया में अपनी नई पहचान बनाई है। वाराणसी के विकास की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज की काशी देश और दुनिया के लिए विकास का नया मॉडल बन चुकी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ विकास योजनाओं के लोकार्पण कार्यक्रम के मंच से योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के विजन और नेतृत्व में काशी नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले 16 महीनों से देश कोरोना महामारी की चपेट में है, लेकिन इस मुश्किल दौर में जो नेतृत्व और मार्गदर्शन प्रधानमंत्री मोदी ने देश को दिया है, वह अद्भुत है।

वाराणसी में हुए विकास कार्यों और योजनाओं की चर्चा करते हुए सीएम ने कहा कि काशी के विकास के लिए प्रधानमंत्री सतत प्रयासरत हैं। उनके मार्गदर्शन में आज काशी को 1500 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं की सौगात के लिए पूरे प्रदेश वासियों की ओर से धन्यवाद देता हूं।

उन्होंने कहा कि काशी में इंफ्रास्ट्रक्च र, शिक्षा, पेयजल समेत कई विकास योजनाओं का लोकार्पण आज प्रधानमंत्री के कर कमलों से हो रहा है। उन्होंने कहा कि अपनी राष्ट्रीय,अंतरराष्ट्रीय व्यस्तताओं के बावजूद पीएम मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र काशी के लिए बहुमूल्य समय निकाला इसके लिए उनका बार बार आभार प्रकट करता हूं।

2024 लोकसभा की तैयारी में जुटी टीएमसी, दिल्ली में विपक्ष के दिग्गज नेताओं से मिलेंगी ममता

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल विधानसभा के चुनावी नतीजों के बाद ममता बनर्जी आत्मविश्वास से भरपूर हैं। भले ही उन्हें नंदीग्राम में हार का सामना करना पड़ा लेकिन उनके नेतृत्व में उनकी पार्टी का प्रदर्शन शानदार रहा। पश्चिम बंगाल जीत के बाद अब ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस की निगाहें 2024 के लोकसभा चुनाव पर टिक गई है। कई ऐसे लोग हैं जिन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकल्प के रूप में ममता बनर्जी नजर आती हैं। ऐसे में ममता बनर्जी ने 2024 को ध्यान में रखकर अभी से ही तैयारियों की शुरुआत कर दी है। बताया जा रहा है कि ममता बनर्जी जल्द ही दिल्ली दौरे पर आएंगी।

सूत्रों के मुताबिक ममता बनर्जी 20 से 25 जुलाई के बीच कभी भी दिल्ली आ सकती हैं। इस दौरान वह कांग्रेस के अध्यक्ष सोनिया गांधी, एनसीपी प्रमुख शरद पवार, समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव समेत विपक्ष के कई बड़े नेताओं से मुलाकात करेंगी। ममता दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से भी मुलाकात कर सकती हैं। ममता ने उन्हें अपना अच्छा दोस्त बताया था। सूत्रों का दावा है कि ममता बनर्जी के इन मुलाकातों का एजेंडा 2024 में होने वाले आम चुनाव होगा।

ममता बनर्जी की ओर से हाल में ही भाजपा छोड़ तृणमूल में वापस लौटे मुकुल रॉय को इसको लेकर बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। माना जा रहा है कि ममता बनर्जी के दिल्ली दौरे के दौरान ही शत्रुघ्न सिन्हा भी तृणमूल कांग्रेस का दामन थाम सकते हैं। ममता बनर्जी के साथ उनके भतीजे और सांसद अभिषेक बनर्जी भी रह सकते हैं। हाल में ही उन्हें पार्टी का महासचिव बनाया गया है। अभिषेक बैनर्जी पार्टी के विस्तार की योजनाओं पर भी काम करने की शुरुआत कर दी है। पश्चिम बंगाल में बंपर जीत के बाद ममता बनर्जी का यह पहला दिल्ली दौरा है।

गोवा में केजरीवाल की मुफ्त बिजली की घोषणा अव्यावहारिक : श्रीपद नाइक

पणजी (एजेंसी)।

अगले साल कई राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर केजरीवाल की मुफ्त बिजली की योजना को लेकर सियासत गरमाने लगी है। केंद्रीय बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग राज्य मंत्री श्रीपद नाइक ने गुरुवार को कहा, दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल की चुनाव से पहले 300 यूनिट घरेलू कनेक्शनों को मुफ्त बिजली देने की घोषणा, केवल चुनाव जीतने के उद्देश्य से एक खोखला वादा है। नाइक, जो उत्तरी गोवा संसदीय क्षेत्र से लोकसभा सांसद हैं, उन्होंने कहा कि लोगों को राजनीतिक घोषणाओं का शिकार नहीं होना चाहिए, जिन्हें लागू करना अव्यावहारिक है। नाइक ने संवाददाताओं से कहा, वे यह घोषणाएं सिर्फ चुनाव के लिए करते हैं। यह संभव नहीं है। एक बार जब वे एक प्रतिशत आबादी को योजना आवंटित कर देते हैं, तो यह विफल हो जाता है .. गोवा के लोग इन घोषणाओं के शिकार नहीं होते हैं। बुधवार को, केजरीवाल ने तटीय राज्य की अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान कहा था कि यदि आप आगामी राज्य विधानसभा चुनावों में सत्ता में आती है, तो घरों के लिए पहली 300 यूनिट बिजली मुफ्त प्रदान की जाएगी। उन्होंने 24 घंटे 7 दिनों बिजली आपूर्ति के साथ-साथ बिजली विभाग के मौजूदा बकाया को खत्म करने का वादा किया था। साथ ही किसानों को मुफ्त बिजली की घोषणा भी की थी। नाइक ने कहा कि शासन के लिहाज से इस तरह के उपाय अव्यवहारिक हैं। नाइक ने कहा, यह योजना (कार्यान्वयन) संभव नहीं है। अधिक से अधिक सरकार रियायतों पर विचार कर सकती है। यह दिल्ली में पहले ही विफल हो चुकी है। ये केवल चुनाव जीतने के उद्देश्य से खोखली घोषणाएं हैं।

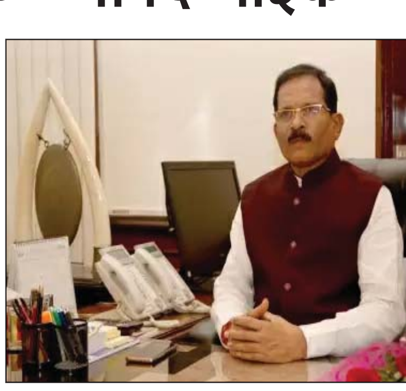

बीजेपी पर निशाना साधते हुआ मायावती बोलीं, यूपी में भाजपा शासनकाल में भी जंगलराज जारी!

लखनऊ। (एजेंसी)।

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने बृहस्पतिवार को कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा शासनकाल में भी जंगलराज की अराजकता चल रही है और ये पिछले समाजवादी पार्टी (सपा) के शासनकाल से कुछ भी कम नहीं है। मायावती ने जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लाक प्रमुख चुनाव में भाजपा पर धनबल, बाहुबल व सत्ता के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए इसे जनतंत्र को शर्मशार करने वाला करार दिया। मायावती ने बृहस्पतिवार को जारी एक बयान में कहा, '' उत्तर प्रदेश में भाजपा शासनकाल में भी जिस प्रकार से हर प्रकार का अपराध बढ़ने से यहां पूरी तरह से जंगलराज की अराजकता चल रही है वह किसी से भी छिपा नहीं है तथा ये सब पिछले समाजवादी पार्टी (सपा)शासनकाल से कुछ भी कम नहीं है।''

उन्होंने कहा '' इसी कारण पहले जिला पंचायत अध्यक्ष और फिर ब्लाक प्रमुखों के अप्रत्यक्ष चुनाव में सपा की तरह ही भाजपा ने भी धनबल, बाहुबल व सत्ता के घोर दुरुपयोग सहित अन्य अनेक हथकंडे अपनाकर अधिकतर सीटें जीतने का दावा किया है, जो जनता की बेचैनी बढ़ाने तथा एक बार फिर यहां लोकतंत्र की सही स्थापना के बजाय जनतंत्र को शर्मसार करने वाला है, यह अति-दुःखद, दुर्भाग्यपूर्ण, निन्दनीय व सभी के लिए अति-चिन्ताजनक भी है।'' उन्होंने कहा कि सत्ता को जैसे-तैसे तथा किसी भी कीमत पर हथियाने की भूख और इसी दौरान '' सैयां भये कोतवाल अब भय काहे का''की कहावत को चरितार्थ करते हुए उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव के दौरानधनबल, बाहुबल तथा पुलिस एवं सरकारी मशीनरी का घोर दुरुपयोग हुआ। साथ ही कहा कि पंचायत चुनाव में इसके साथ-साथ व्यापक धांधली, अपहरण, हत्या व महिलाओं के साथ अभद्रता आदि की घटनायें घटित हुई हैं जो लोकतांत्रिक सोच व व्यवस्थाओं को आघात पहुंचाती हैं, उन्हें शर्मसार करती हैं। उन्होंने कहा कि इन सबके बावजूद सरकार द्वारा जीत का दावा व जश्न आहत जनता के ज़ख्म पर नमक छिड़कने जैसा नहीं है तो फिर यह और क्या है? मायावती ने कहा कि वैसे तो उप्र में पिछले कई वर्षों के दौरान कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब ही रही है व पंचायत चुनाव के दौरान भी दबंगई, अपहरण, अराजकता का माहौल आदि स्वाभाविक ही था। उन्होंने कहा कि इसीलिए सरकार की नीति व नीयत को भांपकर ही बसपा ने पहले जिला पंचायत अध्यक्ष और फिर व ब्लाक प्रमुखों के अप्रत्यक्ष चुनाव को नहीं लड़ने का ही फैसला उचित समझा, जो बाद के चुनावी घटनाक्रमों के मद्देनजर बिल्कुल सही फैसला साबित हुआ है। मायावती ने कहा कि बसपा का मतलब है सबको न्याय व सबको सम्मान तथा अन्याय किसी के साथ नहीं। लोगों को यह सब स्मरण रखते हुए ही आगे की तैयारी करनी है। अब चुनाव के समय में लुभावने वादों, धार्मिक भावनाओं व शिलान्यास आदि के बहकावे में नहीं आना है। उन्होंने लोगों से अपने परिवार, समाज व प्रदेश के व्यापक हित में सही फैसला लेने की अपील की। गौरतलब हैं कि उत्तर प्रदेश में अभी हाल ही जिला पंचायत अध्यक्ष व ब्लाक प्रमुख केचुनाव हुए हैं, जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को भारी सफलता मिली है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)